नई दिल्ली ■ शनिवार 02 मई 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 14 ■ अंक 34 ■ पृष्ठ 08

JBT जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल, करनाल एवं मुजफ्फरनगर से प्रकाशित

04 उबलती धरती, डगमगाती थाली | 07 दूसरे ISSF विश्व कप में भाग लेगी भारत की 12 सदस्यीय टीम | 'किंग' के सेट से सामने आई दीपिका की तस्वीरें 08

# शाह ने कारगिल में 10 हजार लीटर क्षमता वाले डेयरी प्लांट की नींव रखी

**लेह/जम्मू।** केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने करगिल में 10,000 लीटर प्रतिदिन क्षमता वाले डेयरी संयंत्र की शुक्रवार को आधारशिला रखी। मंत्री ने साथ ही लद्दाख के लिए डेयरी विकास से जुड़ी कई ऑनलाइन माध्यम से पहल पेश कीं। अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ये पहल पेश की गई हैं।

इनमें मोबाइल दूध परीक्षण प्रयोगशालाएं, आधुनिक दूध शीतलन प्रणाली और डेयरी अवसंरचना को मजबूत करना शामिल है, ताकि केंद्र शासित प्रदेश में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिल सके। अधिकारियों ने बताया कि 10,000 लीटर प्रतिदिन क्षमता वाला आधुनिक डेयरी प्रसंस्करण संयंत्र लगभग 25 करोड़ रुपये की लागत से राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी इंडियन डेयरी मशीनरी कंपनी द्वारा स्थापित किया जा रहा है। यह परियोजना मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय के राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (एनपीडीडी) के तहत लागू की जा रही है, जिसमें 12.74 करोड़ रुपये का अनुदान, 10 करोड़ रुपये की सहायता राष्ट्रीय डेयरी विकास फाउंडेशन से और शेष राशि

एलयूटीडीसीएफ फंड के माध्यम से (हिमाचल प्रदेश प्रशासन के जरिये) उपलब्ध कराई जा रही है।

यह संयंत्र 350 किलोवाट सौर ऊर्जा आधारित प्रणाली पर चलेगा जिससे ऊंचाई वाले इस क्षेत्र में स्वच्छ तथा टिकाऊ संचालन सुनिश्चित होगा। दूध संग्रह के लिए आधुनिक मोबाइल 'मिल्क कलेक्शन' एवं 'कूलिंग सिस्टम' स्थापित किया जाएगा जिससे किसानों से सीधे दूध संग्रह, गुणवत्ता संरक्षण और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। अधिकारियों ने कहा कि ये कदम लद्दाख के डेयरी क्षेत्र के आधुनिकीकरण, किसानों की आय बढ़ाने और खरीद प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के व्यापक प्रयास का हिस्सा हैं। साथ ही बिजली से जुड़ी चुनौतियों को दूर करने, दूध संग्रह को सुव्यवस्थित करने और किसानों को समय पर डिजिटल भुगतान सुनिश्चित करने के उपाय भी किए गए हैं। भारतीय सेना के साथ नियमित दूध आपूर्ति व्यवस्था से इस क्षेत्र में डेयरी गतिविधियों को स्थिर बाजार मिला है जिससे संचालन की विश्वसनीयता बढ़ी है। डिजिटल सुधारों के तहत एआई आधारित निगरानी प्रणाली, मोबाइल दूध संग्रह इकाइयां और जलवायु अनुकूल शीतलन समाधान लागू किए गए हैं ताकि गुणवत्ता और पारदर्शिता बनी रहे। इन पहलों का असर अब दिखने लगा है।

एक गांव के 74 किसानों से शुरू होकर अब यह नेटवर्क करीब 1,700 किसानों तक पहुंच गया है। दैनिक दूध संग्रह लगभग 7,000 लीटर तक पहुंच गया है और किसानों को कुल भुगतान 15 करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है। यह सौर ऊर्जा आधारित संयंत्र हजारों किसानों को प्रत्यक्ष लाभ देगा, उनकी आय बढ़ाएगा और स्थानीय कृषि मूल्य श्रृंखला को मजबूत करेगा।

अधिकारियों ने बताया कि मोबाइल प्रयोगशालाओं की तैनाती, कोल्ड चेन नेटवर्क का विस्तार और डिजिटल ऑटोमेटेड मिल्क कलेक्शन सिस्टम (एएमसीएस) को अपनाने जैसे कदम भी जारी हैं जिससे दक्षता बढ़ेगी। इसके अलावा पनीर और दही जैसे उत्पादों के जरिये मूल्य संवर्धन को बढ़ावा दिया जा रहा है। मदर डेयरी, सफल और धारा जैसे ब्रांडों के साथ साझेदारी कर उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण दुग्ध उत्पाद उपलब्ध कराने की योजना है। यह कार्यक्रम सहकारी ढांचे के तहत बेहतर प्रदर्शन करने वाले किसानों को सम्मानित करने के साथ-साथ ग्रामीण विकास, आय स्थिरता एवं जीवन स्तर सुधार की दिशा में एक व्यापक मॉडल के रूप में देखा जा रहा है जो 'आत्मनिर्भर लद्दाख' और 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

# प. बंगाल के 15 केन्द्रों पर आज होगा पुनर्मतदान

**दक्षिण 24 परगना।** पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में मतदान के दौरान मिली गड़बड़ियों की शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए निर्वाचन आयोग ने दो विधानसभा क्षेत्र के 15 बूथों पर पुनर्मतदान का फैसला लिया है। पुनर्मतदान के तहत मगराहट पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के 11 बूथों और डायमंड हार्बर के 4 बूथ शामिल हैं। यह पुनर्मतदान 2 मई को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक पुनर्मतदान कराया जाएगा।

आयोग ने यह निर्णय 29 अप्रैल को हुए मतदान के दौरान मिली शिकायतों और रिपोर्टों की समीक्षा के बाद लिया। रिटर्निंग अधिकारियों, पर्यवेक्षकों की रिपोर्ट, वीडियो फुटेज और जमीनी हालात के आधार पर जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 58(2) के तहत मतदान रद्द किया गया। सूत्रों के मुताबिक, मतदान के दिन ईवीएम खराबी, बूथ कैप्चरिंग और हिंसा जैसी घटनाओं की शिकायतें सामने आई थीं। निर्देश के अनुसार, पुनर्मतदान वाले सभी बूथों पर केंद्रीय सुरक्षा बलों की कड़ी तैनाती की जाएगी। इसके साथ ही वेबकास्टिंग और माइक्रो ऑब्जर्वरों की निगरानी में मतदान प्रक्रिया पूरी कराई जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी को सुरक्षा के व्यापक इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं। आयोग ने यह भी कहा है कि जिन क्षेत्रों में पुनर्मतदान होना है, वहां मुनादी और अन्य माध्यमों से व्यापक प्रचार किया जाए और सभी उम्मीदवारों को लिखित सूचना दी जाए, ताकि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी बनी रहे। पुनर्मतदान के तहत मगराहट पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के 11 बूथों और डायमंड हार्बर के 4 बूथ शामिल हैं। मगराहट पश्चिम के जिन बूथों पर मतदान होगा, उनमें उत्तर इयरपुर एफपी स्कूल, नजरापुर स्कूल, देवहाट एफपी स्कूल, घोला नयापाड़ा गर्ल्स हाई मदरसा, एकतारा मल्लिक फ्री प्राइमरी स्कूल और बहिरपुर कुरकुरिया फ्री प्राइमरी स्कूल के विभिन्न कक्ष शामिल हैं।

वहीं डायमंड हार्बर में बागड़ा जूनियर हाई स्कूल, चांदना फ्री प्राइमरी स्कूल, हरिदेवपुर फ्री प्राइमरी स्कूल और रायनगर हैप्पी स्कूल के बूथों पर पुनर्मतदान कराया जाएगा। इस बीच फलता विधानसभा क्षेत्र के कुछ बूथों पर भी पुनर्मतदान की मांग उठी है। चुनाव आयोग ने कहा है कि यह मामला अभी विचाराधीन है और रिपोर्ट की समीक्षा के बाद अंतिम निर्णय लिया जाएगा। आयोग ने स्पष्ट किया है कि पुनर्मतदान का मतगणना की तारीख पर कोई असर नहीं पड़ेगा और पूरे राज्य में मतगणना 4 मई को ही होगी। राजनीतिक प्रतिक्रिया भी सामने आई है। तृणमूल कांग्रेस ने आयोग के फैसले का स्वागत करते हुए इसे लोकतंत्र को मजबूत करने वाला कदम बताया है, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने फलता समेत अन्य बूथों पर भी पुनर्मतदान की मांग की है।

## संक्षिप्त खबरें

### वाणिज्यिक एलपीजी,पांच किलोग्राम सिलेंडर के दाम बढ़े

**नई दिल्ली।** घरेलू विमानन कंपनी के लिए विमान ईंधन की कीमतों में शुक्रवार को कोई बदलाव नहीं किया गया। इससे इन कंपनियों को राहत मिली। हालांकि अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा कीमतों में उछाल के साथ वाणिज्यिक एलपीजी और पांच किलोग्राम के सिलेंडर की कीमतों में अब तक की सबसे अधिक बढ़ोतरी की गई। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों ने अंतरराष्ट्रीय विमानन कंपनियों के लिए विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमत 76.55 डॉलर प्रति किलोलीटर (5.33 प्रतिशत) बढ़ाकर 1,511.86 डॉलर प्रति किलोलीटर कर दी है। इसके साथ ही, होटल एवं रेस्तरां में इस्तेमाल होने वाले 19-किलोग्राम के वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत 993 रुपये बढ़ाकर रिकॉर्ड 3,071.50 रुपये कर दी गई। पांच किलोग्राम एफटीएल या बाजार मूल्य वाले एलपीजी सिलेंडर की दरें 549 रुपये से बढ़ाकर 810.50 रुपये प्रति सिलेंडर कर दी गईं। अब पांच किलोग्राम के सिलेंडर की कीमत घरेलू रसोई में इस्तेमाल होने वाले 14.2 किलोग्राम के रसोई गैस सिलेंडर (जिसे घरेलू एलपीजी कहा जाता है) की 913 रुपये की कीमत से थोड़ा ही कम रह गई है।

### अमेरिका के टेक्सास में एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त, 5 लोगों की मौत

**विम्बरली (अमेरिका)।** अमेरिका के टेक्सास में एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसमें सवार सभी पांच लोगों की मौत हो गयी। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। 'हेज काउंटी' के जज रुबेन बेसेरा ने फेसबुक पर एक पोस्ट में लिखा कि यह दुर्घटना बृहस्पतिवार रात ऑस्टिन के दक्षिण पश्चिम में लगभग 40 मील (64 किलोमीटर) दूर विम्बरली शहर में हुई। 'फेडरेशन एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन' (एफएए) ने बताया कि सेसना 421सी विमान रात करीब 11 बजकर 25 मिनट पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उसमें पांच लोग सवार थे। लगभग 3,000 की आबादी वाला विम्बरली शहर, ब्लैंको नदी के किनारे स्थित एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। विम्बरली के मेयर जिम चिलेस ने बताया कि उन्हें दुर्घटना के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

### पुणे में बांध के जलाशय में सेल्फी लेते वक्त तीन दोस्तों की डूबने से मौत

**पुणे (महाराष्ट्र)।** पुणे जिले के मावल तहसील में शुक्रवार को पिकनिक मनाने बांध के जलाशय में उतरे दोस्तों की खुशी उस वक्त मातम में तब्दील हो गई, जब सेल्फी लेने के दौरान उनमें से तीन लोगों की डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना पश्चिमी महाराष्ट्र जिले के मावल तहसील के नवलख उमब्रे गांव के पास स्थित जाधववाड़ी बांध पर अपराह्न करीब तीन बजे हुई। पुणे जिले के भोसारी से आए छह दोस्तों का एक समूह पिकनिक के लिए बांध के जलाशय में उतरा था। पुलिस ने मृतकों की पहचान अजय गरुडे, संतोष एडके और अनिकेत पवार के रूप में की है। तलेगांव एमआईडीसी पुलिस थाने के एक अधिकारी ने कहा कि उनके दोस्तों से मिली जानकारी के अनुसार, समूह के चार सदस्य घुटने तक गहरे पानी में खड़े होकर सेल्फी लेने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन किनारे पर खड़ा उनमें से एक फिसलकर गहरे पानी में गिर गया। चूंकि, चारों ने एक-दूसरे के गले में हाथ डाल रखे थे, इसलिए वे एक के बाद एक पानी में गिरते गए और डूबने लगे। उन्होंने बताया कि समूह का एक सदस्य, जो कुछ दूरी पर खड़ा था, तुरंत दौड़कर आया और चारों दोस्तों में से एक को पानी से बाहर निकालने में कामयाब रहा। स्थानीय बचाव दल, वन्यजीव रक्षक मावल संस्था और शिवदुर्ग बचाव दल, एनडीआरएफ और स्थानीय पुलिसकर्मी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने तलाश अभियान चलाया और जलाशय में डूबे तीन लोगों के शव बरामद कर लिए।

# हैदराबाद : खड़े ट्रक से टकराई कार, एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत

**हैदराबाद।** नगर में शमशाबाद के पास आउटर रिंग रोड (ओआरआर) पर सड़क किनारे खड़े एक ट्रक में पीछे से कार ने टक्कर मार दी। शुक्रवार की शाम को हुई दुर्घटना में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सभी मृतक एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। मृतकों में दो महिलाएं और दो बच्चे शामिल हैं।

जानकारी के अनुसार मूल रूप से राजन्ना सिरसिला जिले के रहने वाले बोल्ली शिवकुमार कार से अपनी पत्नी व बच्चों के साथ यादगिरिगुट्टा से दर्शन कर वापस लौट रहे थे। तभी ओआरआर एग्जिट गेट नंबर 16 के पास उनकी वैगनआर कार सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से टकरा गई। कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि वह ट्रक के पिछले हिस्से में बुरी तरह धंस गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू किया औरफंसी कार को क्रेन की मदद से बाहर निकाला गया। कार में सात

लोग सवार थे। जिनमें छह लोगों की मौके पर मौत हो गई। मृतकों की पहचान मूल रूप से राजन्ना सिरसिला जिले के रहने वाले और वर्तमान में हैदराबाद के सनतनगर बोल्ली शिव कुमार (37) के रूप में हुई। शिव कुमार ही कार चला रहे थे। उनके अलावा उनकी पत्नी बोल्ली लास्या के अलावा बोल्ली ऋषिता, कोडम श्रीनिवास और दो बच्चे, जिनके नाम कृष्णा चंद्रा और कोडेम माधव की भी मौत हुई है।

# दिल्ली: जनगणना 2027 के लिए ऑनलाइन स्व-गणना शुरू

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय राजधानी में जनगणना 2027 के तहत शुक्रवार को स्व-गणना शुरू हो गई और उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू सहित कई लोगों ने पहले ही दिन यह प्रक्रिया पूरी कर ली। संधू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यह प्रक्रिया दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के सभी वार्डों में आधिकारिक तौर पर शुरू हो गई है और उन्होंने निवासियों से स्व-गणना प्रक्रिया में भाग लेने और जनगणना का समर्थन करने का आग्रह किया।

उन्होंने पोस्ट में कहा कि आपकी भागीदारी हमारे शहर और राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उपराज्यपाल ने कहा कि विश्वसनीय डेटा समावेशी शासन और एक मजबूत, विकसित राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण है। नई दिल्ली नगर

पालिका परिषद (एनडीएमसी) और दिल्ली कैंट क्षेत्रों में स्व-गणना का कार्य पहले ही पूरा हो चुका है।

इन क्षेत्रों में जनगणना कर्मियों द्वारा घर-घर जाकर घरों की सूची बनाना और आवास संबंधी कार्य जारी हैं। अधिकारियों ने बताया कि एमसीडी वार्डों के सभी निवासी, चाहे वे कहीं के भी मूल निवासी हों, जनगणना पोर्टल पर लॉग इन कर स्वैच्छिक स्व-गणना में भाग ले सकते हैं। प्रत्येक परिवार के लिए केवल एक लॉगिन की आवश्यकता होगी और परिवार का मुखिया या कोई अन्य सदस्य मोबाइल नंबर का उपयोग कर प्रक्रिया पूरी कर सकता है। उपयोगकर्ताओं को पहले लॉगिन के समय एक भाषा का चयन करना होगा, जिसे बाद में बदला नहीं जा सकता।

इस प्रक्रिया में उत्तरदाताओं को अपने निवास स्थान के भौगोलिक निर्देशांक प्रदान करने होंगे, जिसके लिए वे उपग्रह मानचित्र पर स्थान का चयन कर सकते हैं, पोर्टल पर पता खोज सकते हैं। जानकारी दाखिल करने के बाद 11 अंकों की स्व-गणना आईडी सामने आएगी, जिसे लोगों को जनगणना कर्मियों को दिखाना होगा। ये कर्मी 16 मई से 14 जून तक घर-घर जाकर जनगणना करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि जनगणना से संबंधित सहायता के लिए एक टोल-फ्री हेल्पलाइन भी उपलब्ध कराई गई है। एमसीडी के 250 वार्डों में एक से 15 मई तक स्व-गणना की जाएगी। स्व-गणना पोर्टल हिंदी, अंग्रेजी, बांग्ला, तमिल और उर्दू सहित 16 भाषाओं में उपलब्ध है।

# मई में सामान्य से 110% अधिक बारिश, IMD का पूर्वानुमान

**नई दिल्ली।** भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार मई का महीना देश के अधिकांश हिस्सों के लिए राहत और चुनौतियों का मेल भरा रहेगा। एक तरफ जहां पश्चिमी विक्षोभ के कारण बारिश की अधिक संभावना है, वहीं कुछ राज्यों में लोगों को सामान्य से अधिक हीटवेव का सामना करना पड़ सकता है।

मई के लिए अनुमान जारी करते हुए शनिवार को भारतीय मौसम विभाग ने सामान्य से 110 प्रतिशत अधिक बारिश का अनुमान जताया

है। विभाग ने बताया कि पूरे देश में औसत बारिश सामान्य से अधिक होने के संभावना है। साल 1971 से 2020 के आंकड़ों के आधार पर मई में औसतन 61.4 मिमी बारिश दर्ज की गई है। विभाग के अनुसार देश में अधिकांश स्थानों पर सामान्य से अधिक बारिश रहेगी सिवाय पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत तथा पूर्वी मध्य भारत के कुछ हिस्सों में बारिश सामान्य से कम रहेगी। वहीं, गर्मी की बात करें तो देश के अधिकांश राज्यों में अधिकतम तापमान सामान्य से कम रहने की संभावना है। लेकिन मई के महीने में गंगा के मैदानी क्षेत्र, पूर्वी तटीय राज्यों, गुजरात, और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में सामान्य से अधिक गर्मी वाले दिन रहने की संभावना है।

गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तटीय ओडिशा, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के कुछ अलग-अलग इलाकों में सामान्य से अधिक दिनों तक हीट वेब रहने की संभावना है। हिमालयी राज्यों में 3-4 दिन अतिरिक्त हीटवेव चलने और मानसून के दौरान अल-नीनो सक्रिय होने की भी चेतावनी दी गई है। वहीं, देश के अधिकांश राज्यों में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। लेकिन उत्तर-पश्चिमी भारत के कई हिस्से, मध्य भारत और प्रायद्वीपीय क्षेत्र के कुछ हिस्से, पूर्वोत्तर भारत के दक्षिणी हिस्से हैं, जहां न्यूनतम तापमान सामान्य या सामान्य से नीचे रहने की संभावना है।

# मप्र के जबलपुर का बरगी डैम हादसा: अब तक नौ शव बरामद

**जबलपुर।** मध्य प्रदेश के जबलपुर में नर्मदा नदी पर बने बरगी डैम में गुरुवार शाम को तेज आंधी-तूफान के चलते पर्यटकों से भरा पर्यटन विभाग का क्रूज डूबने की घटना में शुक्रवार सुबह तक नौ शव बरामद कर लिए गए हैं, जबकि 24 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। प्रशासन के मुताबिक नौ से ज्यादा लोग अभी भी लापता हैं, जिनकी तलाश जारी है।

बरगी डैम में हादसे के वक्त क्रूज में 40 -45 पर्यटक सवार थे। हादसा किनारे से करीब 300 मीटर दूर हुआ। बरगी सिटी सीएसपी अंजुल मिश्रा ने बताया कि शुरुआती खोज और बचाव अभियान (रेस्क्यू) में एसडीआरएफ ने कई लोगों को बचाया, लेकिन अंधेरा और खराब मौसम से राहत कार्य प्रभावित हुआ।

शुक्रवार सुबह फिर से रेस्क्यू शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि स्थानीय प्रशासन के साथ अब राष्ट्रीय स्तर की टीमें भी तैनात की गई हैं। भारतीय सेना भी राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हुई है। हैदराबाद से एक स्पेशल टीम और हेलिकॉप्टर पहुंचने वाला है।

# सूरत में देश का पहला 'बैरियरलेस' टोल प्लाजा शुरू

**सूरत।** गुजरात के औद्योगिक शहर सूरत में शुक्रवार को देश का पहला 'बैरियरलेस' टोल प्लाजा शुरू हो गया। टोल की नई प्रणाली के लागू होने के बाद अब वाहन चालकों को टोल टैक्स भरने के लिए बैरियर पर लंबी कतारों में खड़े रहने की जरूरत नहीं होगी।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुजरात में राष्ट्रीय राजमार्ग-48 के सूरत-भरूच खंड पर स्थित चोर्यासि टोल प्लाजा पर भारत की पहली मल्टी-लेन फ्री फ्लो (एमएलएफएफ) बाधा रहित (बैरियर-लेस) टोलिंग प्रणाली के शुभारंभ की घोषणा की। केन्द्र सरकार की एक विज्ञप्ति के अनुसार मुंबई-दिल्ली राजमार्ग (एनएच-48) पर सूरत और भरूच के बीच स्थित कामरेज के पास चोर्यासि टोल प्लाजा पर इस आधुनिक प्रणाली का भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा पिछले दो महीनों से परीक्षण किया जा रहा था जिसकी सफलता के बाद आज इसे पूरी तरह शुरू कर दिया गया है। यह प्रणाली ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन

(एएनपीआर) तकनीक पर आधारित है। राजमार्ग पर लगे हाई-रिजोल्यूशन कैमरे गुजरने वाले वाहनों की नंबर प्लेट को स्कैन करेंगे और फास्टैग से जुड़े खाते से टोल राशि स्वतः कट जाएगी।

पूरी प्रक्रिया पूरी तरह कॉन्टैक्टलेस और स्वचालित होगी। इस नई व्यवस्था के तहत वाहन चालक बिना रुके लगभग 80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से टोल पार कर सकेंगे। एनएचएआई के अनुसार, इससे देश में हर साल करीब 1500 करोड़ रुपये के ईंधन की बचत होगी और कामरेज एवं चोर्यासि जैसे व्यस्त टोल प्लाजा पर ट्रैफिक जाम की समस्या में कमी आएगी। यदि किसी वाहन में फास्टैग नहीं होगा, तो कैमरे नंबर प्लेट स्कैन कर डिजिटल इनवॉइस तैयार करेंगे और बाद में जुर्माने के साथ टोल वसूला जाएगा। वाहन किसी भी गति से गुजरें, उनका डेटा तुरंत सेंट्रल सर्वर पर पहुंचकर सत्यापित हो जाएगा।

केंद्र सरकार का लक्ष्य वर्ष 2026 के अंत तक देश के 1050 से अधिक टोल प्लाजा को एआई आधारित 'मल्टी लेन फ्री फ्लो सिस्टम' से लैस करना है, जिससे यात्रा अधिक सुगम और पर्यावरण के लिए भी लाभकारी बनेगी।

# नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से 15 जून से उड़ान सेवाएं शुरू

**नोएडा।** नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से 15 जून से उड़ान सेवाएं शुरू होने जाएंगी। इसी के साथ दिल्ली एनसीआर सहित पूरे उत्तर भारत के यात्रियों को नोएडा एयरपोर्ट से यात्रियों के उड़ान और कार्गो की सुविधा उपलब्ध हो जाएगी।

यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सीईओ आरके सिंह ने शुक्रवार को बताया कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से 15 जून को पहली उड़ान इंडिगो एयरलाइंस की होगी। उड़ान कहां के लिए होगी और किस समय होगी, इसको लेकर एयरपोर्ट अथॉरिटी और एयरलाइन जल्द ही घोषणा करेगी। सीईओ आरके सिंह ने बताया कि नोएडा एयरपोर्ट आधुनिक टर्मिनल, बुनियादी ढांचा, कुशल संचालन और मजबूत मल्टीमाडल कनेक्टिविटी का संगम है। वाणिज्यिक संचालन की शुरुआत

क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को मजबूत करने, आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और व्यापक क्षेत्र में पर्यटन, व्यापार और निवेश के नए अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने बताया कि वाणिज्यिक सेवाओं के शुभारंभ से पहले हवाई अड्डे का सुरक्षा ढांचा, प्रणालियां और संचालन प्रक्रियाएं नियामक आवश्यकताओं के अनुरूप पूरी कर लिया गया है। इंडिगो एयरलाइंस नोएडा एयरपोर्ट से पहली उड़ान संचालित करेगी।

# श्रमिकों को बेहतर स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाएं मिलेंगी

**ग्रेटर नोएडा।** जिले के श्रमिकों को स्वास्थ्य और शिक्षा की बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। मजदूर दिवस पर शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ग्रेटर नोएडा वेस्ट के नॉलेज पार्क-5 में ईएसआईसी अस्पताल और जेवर में मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालय समेत तीन परियोजनाओं का वर्चुअल माध्यम से शिलान्यास और लोकार्पण किया।

श्रमिक दिवस के अवसर पर लखनऊ में आयोजित श्रमवीर गौरव समारोह का ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के ऑडिटोरियम में लाइव प्रसारण किया गया। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, जिलाधिकारी मेधा रूपम, भाजपा जिलाध्यक्ष समेत बड़ी संख्या अधिकारी और श्रमिक मौजूद रहे। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) अस्पताल बनाने के लिए ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टर नॉलेज पार्क-5 में 7.2 एकड़ जमीन आवंटित की गई है। इसकी लीजडीड यानी रजिस्ट्री हो चुकी है।

अधिकारी के मुताबिक अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त 350 बिस्तरों का यह अस्पताल तीन साल में बनकर तैयार होगा। इसके निर्माण पर 550 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इस अस्पताल के बनकर तैयार हो जाने पर ग्रेटर नोएडा और आसपास के क्षेत्रों की कंपनियों में काम करने वाले श्रमिकों को इलाज के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा। यह जिले का दूसरा ईएसआईसी अस्पताल होगा। नोएडा के सेक्टर-24 में एक ईएसआईसी अस्पताल पहले से बना है। मुख्यमंत्री ने औद्योगिक क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ाने पर जोर दिया है। औद्योगिक सेक्टरों के नजदीक श्रमिकों के लिए हॉस्टल और सस्ती कैंटीन बनाई भी जाएगी। इसके लिए औद्योगिक विकास विभाग जमीन उपलब्ध कराएगा। आवास की सुविधा भी मुहैया कराई जएगी। बता दें कि प्राधिकरण ने श्रमिकों के लिए फ्लैट बनाने के लिए ग्रेटर नोएडा वेस्ट के पतवाड़ी गांव के पास पांच एकड़ जमीन चिह्नित कर ली है। श्रमिकों को किफायती दर पर वन और टू बीएचके फ्लैट उपलब्ध कराए जाएंगे।

## श्रमिकों के बच्चों के लिए विद्यालय

जेवर में बनने वाला मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालय अटल आवासीय विद्यालय की तर्ज पर अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। यह पूरी तरह से श्रमिकों के बच्चों के लिए समर्पित होगा। इसकी क्षमता 1000 बच्चों की होगी। अटल आवासीय विद्यालय में श्रमिकों के बच्चे पढ़ेंगे।

## औद्योगिक सेक्टरों में बनेंगे हॉस्टल

शासन के दिशा-निर्देश पर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने कामकाजी महिलाओं और श्रमिकों के लिए औद्योगिक सेक्टरों में हॉस्टल बनाने की योजना पर काम शुरू कर दिया है। कामकाजी महिलाओं के लिए पहले चरण में तीन हॉस्टल बनाने की योजना तैयार की है। इसके लिए सेक्टर इकोटेक-2 और इकोटेक-1 में जगह चिह्नित कर ली गई है। वहीं, चार अन्य औद्योगिक सेक्टर इकोटेक-3, 6, 12 और इकोटेक-1 एक्सटेंशन में जगह चिह्नित की गई है। प्रत्येक हॉस्टल में 100-100 श्रमिक रह सकेंगे। सस्ती दर पर भोजन की व्यवस्था भी की जाएगी।

## श्रमिक सुविधा केंद्र का उद्घाटन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने औद्योगिक इकोटेक-3 में बने श्रमिक सुविधा केंद्र का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया। यहां महिला और पुरुष दोनों के बैठने के लिए कमरे बनाए गए हैं। रोजगार की तलाश में आने वाले श्रमिक बैठ सकते हैं। यहां दो रजिस्टर रखे गए हैं। एक रजिस्टर में श्रमिकों का नाम और नंबर लिखा रहेगा और दूसरे रजिस्टर में उद्यमियों की जरूरत को लिखा जाएगा, जिसमें कार्य और श्रमिकों की संख्या के बारे में जानकारी होगी। इससे उद्यमी अपनी जरूरत के हिसाब से कुशल श्रमिक को बुला सकेंगे। योजना के तहत इसी तरह अन्य औद्योगिक सेक्टरों में श्रमिक सुविधा केंद्र बनाए जाएंगे।

# कार ने फुटपाथ पर खाना खा रहे दो दोस्तों को टक्कर मारी, एक की मौत

**नोएडा।** सेक्टर-88 में कार ने कंपनी के बाहर फुटपाथ पर बैठकर भोजन कर रहे दो दोस्तों को टक्कर मारकर घायल कर दिया। एक युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। उसके पिता ने कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

जिला अलीगढ़ के रामपुर शाहपुर गांव निवासी जाबिर ने पुलिस को बताया कि उनका बेटा मोनू और उसका दोस्त परवेज निवासी जिला एटा फेज-2के सेक्टर-88 की कंपनी में नौकरी करते थे। दोनों 21 अप्रैल की सुबह कंपनी में ड्यूटी करने गए थे। वे दोपहर में करीब 1.30 बजे सेक्टर-88 के सी ब्लॉक में फुटपाथ पर बैठकर भोजन कर रहे थे।इसी दौरान एक ब्रेजा कार ने दोनों को टक्कर मारकर घायल कर दिया। चालक टक्कर मारने के बाद दोनों को लहूलुहान अवस्था में छोड़कर भाग गया। स्थानीय लोगों ने दोनों घायलों को सेक्टर-110 स्थित यथार्थ अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उपचार के दौरान मोनू की मौत हो गई। परवेज का अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

## थार की टक्कर से भाई-बहन घायल

**ग्रेटर नोएडा।** मुर्शदपुर अंडरपास के समीप बेकाबू थार ने स्कूटी में टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटी सवार भाई-बहन घायल हो गए गए। बहने की हालत गंभीर है। पीड़ित ने थार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। ग्रेटर नोएडा की एनआरआई सिटी सोसाइटी में रहने वाले मयंक यादव ने पुलिस को बताया कि वह 17 अप्रैल को अपनी चचेरी बहन प्रियंका यादव को नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी से स्कूटी पर बैठाकर घर लेकर आ रहा था। मुर्शदपुर अंडरपास के समीप एक बेकाबू थार ने उनकी स्कूटी में पीछे से टक्कर मार दी। दुर्घटना में मयंक को हल्की चोट आई, जबकि प्रियंका को गंभीर चोट लगी। उसके शरीर में काफी जगह फैक्चर हो गए। पहले उसे नजदीक के एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया। इसके बाद परिजन उसे इलाज के लिए आगरा ले गए। आगरा के एक अस्पताल में प्रियंका का इलाज चल रहा है। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया। टक्कर मारने वाली थार का पता लगाया जा रहा है। थार का पता लगाकर आरोपी चालक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

## ग्रेटर नोएडा के गांवों में जलभराव से निजात मिलेगी

**ग्रेटर नोएडा।** ग्रेनो के गांवों में जल निकासी और सीवर की व्यवस्था दुरुस्त होगी। इससे जलभराव की समस्या दूर हो सकेगी। प्राधिकरण के परियोजना विभाग ने गुरुवार को सलेमपुर गुर्जर गांव की गलियों में इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाने और नाली बनाने का काम शुरू करा दिया। वहीं 10 से अधिक गांवों के लिए निविदा जारी कर दी। अधिकारी के मुताबिक सीईओ ने अधिसूचित क्षेत्र के गांवों में बिजली, पेयजल आपूर्ति, सड़क, जल निकासी समेत सभी मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए बनाई गई योजना के तहत गांवों में चरणबद्ध तरीके से विकास कार्य कराए जा रहे हैं। वर्क सर्किल-8 के अंतर्गत आने वाले सलेमपुर गुर्जर गांव की आठ गलियों में इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाने और जल निकासी के लिए नाली बनाने का कार्य शुरू कर दिया गया है।वरिष्ठ प्रबंधक नागेंद्र सिंह ने बताया कि विकास कार्यों पर 1.6 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। यह काम इस साल के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा। इससे गांव के लोगों को आवाजाही करने में आसानी होगी। साथ ही, जलभराव की समस्या भी दूर हो जाएगी। वहीं, नवादा गांव की सड़क को ऊंचा करने और नाली का निर्माण, आजमपुर गढ़ी में इंटरलॉकिंग टाइल्स और नाली का बचा काम कराने के लिए निविदा जारी की गई है। यह काम एक माह बाद शुरू करा दिया जाएगा।

# प्राधिकरण के सीईओ ने नोएडा में अवैध रेहड़ियों पर कार्रवाई के निर्देश

**नोएडा।** प्राधिकरण के सीईओ कृष्णा करुणेश ने लोगों की समस्याओं को लेकर सभी वरिष्ठ प्रबंधकों के साथ बैठक की। उन्होंने अवैध रेहड़ी-पटरियों पर कार्रवाई और नियमित सफाई करने के निर्देश दिए।

सीईओ ने निर्देश दिए कि शहर के समस्त क्षेत्रों से कूड़े को पूरी तरह लिया जाए। गांवों में घर-घर वाहन कूड़ा लेने जाएं। विलोपित कूड़ा घरों वाले स्थान पर जरूरत के हिसाब से बच्चों के लिए झूले, बेंच या ओपन जिम लगाई जाए। सभी शौचालय की मरम्मत के काम 15 दिन में पूरे कर लिए जाएं। शौचालय में बिजली, पानी, साबुन समेत सभी व्यवस्थाएं होनी चाहिए। अवैध रूप से अतिक्रमण को ध्वस्त और सीलिंग की कार्रवाई के लिए कहा।

अवैध रूप से लग रहे साप्ताहिक बाजारों पर भी कार्रवाई के लिए कहा। सीईओ ने बताया कि अधिकारियों को सड़कों से निराश्रित गोवंश को पकड़कर गौशाला में भेजने के लिए कहा गया है। निजी गौवंश की भी टैगिंग की जाएगी।

# फार्म हाउस दिलाने के नाम पर 78 लाख की ठगी

**नोएडा।** यमुना के डूब क्षेत्र में फार्म हाउस दिलाने के नाम पर 78 लाख रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। गाजियाबाद निवासी कारोबारी ने नोएडा निवासी व्यक्ति समेत दो लोगों पर धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए फेज-2 थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। गाजियाबाद कवि नगर के रहने वाले गजेन जैन ने पुलिस को बताया कि वर्ष 2022 में उन्होंने मौसेरे भाई संकल्प जैन के साथ मिलकर फार्म हाउस खरीदने की योजना बनाई थी। वह नोएडा में फार्म हाउस तलाश रहे थे। इस बीच वह सेक्टर-93बी स्थित ग्रांड ओमेक्स सोसाइटी निवासी राजेश सिंह और प्रतापगढ़ के सूरजकुंड निवासी सर्वेश जैसवाल के संपर्क में आए।

दोनों ने मिलकर यमुना के डूब क्षेत्र में बना फार्म हाउस दिखाया। वर्ष 2023 में 1.37 करोड़ में 3445 वर्ग गज जमीन पर बने फार्म हाउस का सौदा हुआ। यह सौदा इंदिरापुरम के प्रॉपर्टी डीलर कपिल त्यागी ने कराया था। गजेन का दावा है कि उन्होंने आरोपियों को 10 लाख रुपये बतौर बयाना दिए थे। तीन माह में बैनामा कराया जाना था। राजेश और सर्वेश ने 78 लाख रुपये ले लिए, लेकिन तय तिथि पर बैनामा नहीं कराया। इस बारे में बात करने पर दोनों टरकाने लगे। दोनों दो साल तक टरकाते रहे। वर्ष 2025 में पता चला कि राजेश इस तरह कई लोगों से रकम ऐंठ चुका है। एग्रीमेंट सेल भी गलत तरीके से किया गया। आरोप है कि रकम मांगने पर फरवरी 2026 में राजेश ने अपने फ्लैट पर बुलाकर जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस के सामने आरोपियों ने 78 लाख रुपये लेना स्वीकार किया और जल्द वापस करने का आश्वासन देकर समझौतानामा पर हस्ताक्षर किए। इसके बावजूद रुपये नहीं दिए। एसीपी दीक्षा सिंह का कहना है कि शिकायत के आधार पर राजेश और सर्वेश के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

# ग्रेनो के अस्तौली में बायो-सीएनजी संयंत्र की निविदा प्रक्रिया निरस्त

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के अस्तौली गांव के पास अत्याधुनिक कूड़ा निस्तारण केंद्र परिसर में बायो सीएनजी संयंत्र लगाने की निविदा निरस्त कर दी गई है। तीन सौ टन प्रतिदिन क्षमता के इस संयंत्र की प्रस्तावित प्री-बिड बैठक भी रद्द कर दी गई।

प्राधिकरण के वरिष्ठ प्रबंधक स्वास्थ्य चेतराम सिंह की ओर से जारी कार्यालय आदेश में निविदा प्रक्रिया को अपरिहार्य कारणों से स्थगित करने की बात कही गई है।प्राधिकरण ने इस परियोजना के लिए आरएफपी जारी कर कंपनियों से प्रस्ताव मांगे थे। आधुनिक तकनीक को शामिल करने के लिए प्री-बिड बैठक आयोजित की जानी थी, लेकिन अब इसे भी रद्द कर दिया गया है। अस्तौली में कूड़ा निस्तारण केंद्र से प्रभावितग्रामीणों का कहना है कि कूड़े के कारण क्षेत्र में प्रदूषण और बीमारियां बढ़ रही हैं, जिससे उनका जीवन प्रभावित हो रहा है। उनकी मांग है कि कूड़ा निस्तारण केंद्र को पूरी तरह खत्म किया जाए। इस आंदोलन में आसपास के करीब आठ गांवों के लोग शामिल हैं।

# फिल्म सिटी का शिलान्यास इसी माह कराने की तैयारी

**ग्रेटर नोएडा।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसी महीने यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में विकसित होने वाली अंतरराष्ट्रीय फिल्म सिटी का शिलान्यास कर सकते हैं। इसके अलावा वह नई इकाइयों की नींव भी रख सकते हैं।

अधिकारियों ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। यमुना सिटी के सेक्टर-21 में अंतरराष्ट्रीय फिल्म सिटी को एक हजार एकड़ में विकसित किया जाना है। परियोजना का पहला चरण 230 एकड़ में विकसित होगा। इसके भू-लेआउट और मास्टर प्लान दोनों को मंजूरी मिल चुकी है। बोनी कपूर की कंपनी बेव्यू फिल्म सिटी प्राइवेट लिमिटेड फिल्म सिटी बनाएगी। कुल 230 एकड़ क्षेत्र में से 155 एकड़ में औद्योगिक और 75 एकड़ में व्यावसायिक गतिविधियां विकसित की जाएंगी।

प्रथम चरण में फिल्म सिटी के निर्माण में कुल 1510 करोड़ का खर्च आएगा।यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के सीईओ आरके सिंह ने बताया कि इस वर्ष को रजत जयंती समारोह के रूप में मनाया जा रहा है। इस क्रम में एक माह में करोड़ों के निवेश को धरातल पर उतारने का लक्ष्य है।

इसी कड़ी में अंतरराष्ट्रीय फिल्म सिटी के शिलान्यास की तैयारी की जा रही है। इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को निमंत्रण भेजा गया है, वहां से जवाब मिलने के बाद तिथि घोषित की जाएगी।

## बकाया पेयजल बिल पर ब्याज माफ कराने का मौका

**नोएडा।** प्राधिकरण ने पेयजल के बकायेदारों के लिए ब्याज में छूट देने की योजना लागू कर दी। यह योजना एक मई से शुरू होकर 31 जुलाई तक रहेगी। मई में बकाया जमा करने वालों को 40, जून में 30 और जुलाई में 20 प्रतिशत ब्याज में छूट मिलेगी। प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि इस छूट का फायदा 31 मार्च 2026 तक के बकायेदार मिलेगा। इनमें बकायेदारों के साथ अवैध कनेक्शन पर 40 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। एक अगस्त से योजना स्वतः समाप्त हो जाएगी। इसके बाद पूरा बकाया लिया जाएगा। बकायेदारों को कोई राहत नहीं दी जाएगी। बकायेदार प्राधिकरण के सेक्टर-5, 37 और 39 दफ्तर में जाकर संपर्क कर सकते हैं। प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि सभी तरह की संपत्तियों में 85 हजार से अधिक कनेक्शन हैं। इनमें कई बड़ी सोसाइटी, मॉल व अन्य पर प्राधिकरण के लाखों रुपये बकाया हैं। अधिकारियों ने यह भी अपील की कि गर्मियों को देखते हुए जरूरत के हिसाब से ही पानी का इस्तेमाल करें। गौरतलब है कि प्राधिकरण की यह राहत योजना करीब तीन साल बाद आई है। इसको पिछले महीने हुई बोर्ड बैठक में मंजूरी दी गई थी।

## ग्रेनो की बोर्ड बैठक आज होगी

**ग्रेटर नोएडा।** ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड बैठक शनिवार को होगी। इसमें रखे जाने वाले प्रस्तावों को अंतिम रूप दे दिया गया है। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट, पेयजल बिल के बकायेदारों के लिए एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) समेत किसानों और आवंटियों के हितों से जुड़े 20 से अधिक प्रस्ताव रखे जाएंगे। प्राधिकरण बने बनाए फ्लैटों के बकायेदारों के लिए भी ओटीएस ला सकता है। नीतिगत और संवेदनशील प्रस्तावों को सीईओ के द्वारा अंतिम रूप दिया जाएगा। अधिकारी के मुताबिक उद्योग से संबंधित प्रस्ताव भी रखे जाएंगे। साथ ही, जमीन खरीद और किसानों को राहत देने संबंधी कुछ महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखे जाएंगे। साथ ही महत्वपूर्ण परियोजनाओं की प्रगति रिपोर्ट भी बोर्ड के समक्ष रखी जाएगी। जमीन खरीद पर बजट का एक बड़ा हिस्सा खर्च किया जा सकता है।

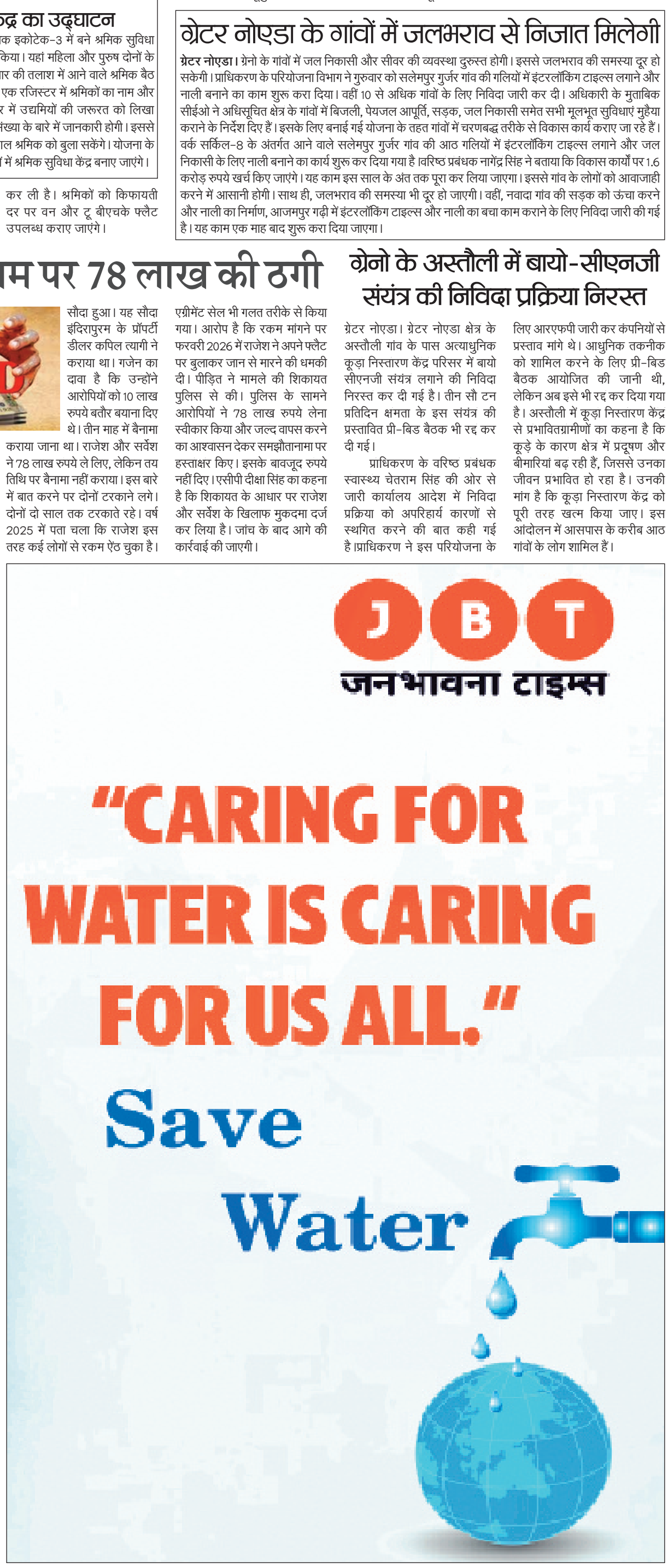


# मार्च में ओपीडी में सवा लाख से अधिक मरीज इलाज कराने पहुंचे

**नोएडा।** सेक्टर 39 स्थित जिला अस्पताल में मार्च में ओपीडी में 1.11 लाख से अधिक मरीजों का इलाज किया गया। अस्पताल प्रशासन के अनुसार इस वर्ष चार महीनों में मार्च में यह सर्वाधिक रोगी थे। इनमें फिजीशियन की ओपीडी में इलाज कराने सबसे अधिक रोगी पहुंचे। अस्पताल प्रशासन से मिली जानकारी के मुताबिक जनवरी में 86069 मरीजों का ओपीडी में पंजीकरण हुआ था। फरवरी में 96829 और मार्च में 111344 मरीजों का ओपीडी पंजीकरण हुआ। एक अप्रैल से 20 अप्रैल तक 58643 मरीज ओपीडी में देखे गए।

**विभिन्न बीमारियों के चलते भर्ती होने वाले मरीज**

विभिन्न बीमारियों के चलते भर्ती होने वाले फरवरी और मार्च में अधिक रोगी वार्ड में भर्ती हुए। इनमें जनवरी में 4247, फरवरी में 4736, मार्च में 4465 और अप्रैल में 2725 (20 अप्रैल तक) मरीजों का भर्ती करके इलाज किया गया। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय राणा ने कहा कि अस्पताल में इलाज के लिए पहुंचने वाले मरीजों की संख्या हर साल बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि 31 मार्च को वित्तीय वर्ष का अंत होता है। ऐसे में मरीजों की संख्या 20 फरवरी से 31 मार्च तक गिनी जाती है।

उन्होंने कहा कि ओपीडी में मरीजों की भारी भीड़ का मुख्य कारण बदलते मौसम के कारण वायरल बुखार, सर्दी-जुकाम, उल्टी-दस्त, सांस संबंधी समस्याओं के मरीजों के मामले अधिक रहे। वहीं, कुत्ते के काटने के मामलों में भी काफी बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

**गंभीर मरीजों के इलाज के लिए बिस्तरों की संख्या बढ़ाना**

जिला अस्पताल में गंभीर मरीजों के इलाज के लिए बिस्तरों की संख्या 40 तक कर दी गई है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार आईसीयू में बिस्तरों की संख्या 21 है जबकि किट्रिकल केयर, मदर क्रिकिटल आदि में 19 बिस्तर और जोड़े गए हैं। डॉ. अजय राणा ने कहा कि अस्पताल में 83 डॉक्टर नियुक्त हैं। इनमें स्थाई डॉक्टरों की संख्या 33 है। उन्होंने कहा कि एनेस्थीसिया विभाग में डॉक्टरों के सभी पद भरे हुए हैं। बाकी विभागों में डॉक्टरों की कमी है। डॉक्टरों की नियुक्ति के लिए शासन को पत्र लिखा गया है। इसमें अलग-अलग विभागों में डॉक्टरों के रिक्त पदों के आधार पर मांग की गई है।

**कुत्ता काटने के रोजाना अधिक मामले**

अस्पताल प्रशासन से मिली जानकारी के मुताबिक कुत्ता काटने के चलते एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाने वाले मरीजों की संख्या अधिक है। गुरुवार को 220 मरीजों को टीका लगाया गया था। वहीं शुक्रवार को यह संख्या 230 थी। इनमें नए मरीजों की संख्या 63 और पुराने रोगी 167 थे। इससे पहले भी रोजाना औसतन 200 से 300 मरीजों को टीके लगाए गए थे। कभी कभी यह संख्या इससे अधिक भी दर्ज की गई थी।

# हर वर्ष 35 हजार श्रमिकों को कौशल प्रशिक्षण देगी सरकार

## मुख्यमंत्री ने श्रमिकों के लिए कई कल्याणकारी उपायों की घोषणा की

**नई दिल्ली।** दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर शुक्रवार को धीरपुर स्थित संत निरंकारी मंडल में आयोजित श्रमिक सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुईं। उन्होंने यहां पूर्व शिक्षा की मान्यता (आरपीएल) योजना के तहत एक व्यापक कौशल विकास कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस पहल के तहत हर साल लगभग 35,000 श्रमिकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसमें प्रत्येक बैच में कम से कम 20 श्रमिक शामिल होंगे। शुरुआती चरण में 5 बैच चलाए जा रहे हैं, जिनमें हर बैच में 100 श्रमिक भाग ले रहे हैं। ये प्रशिक्षण विभिन्न एजेंसियों के माध्यम से जिला स्तर पर आयोजित किए जाएंगे।

इस योजना के तहत असिस्टेंट मेसन, बार बेंडर, इलेक्ट्रीशियन, कंस्ट्रक्शन पेंटर एवं डेकोरेटर और शटरिंग कारपेंटर जैसे प्रमुख क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने 1000 निर्माण श्रमिकों को सेफ्टी किट वितरित कीं। इन किट्स में हेलमेट, सेफ्टी ग्लव्स, मास्क, रिफ्लेक्टिव जैकेट और अन्य जरूरी सुरक्षा उपकरण शामिल हैं। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने निर्माण श्रमिकों के 100 बच्चों को शिक्षा किट भी दीं। इन किट्स में स्कूल बैग, किताबें, स्टेशनरी, शैक्षणिक सामग्री और जरूरी शिक्षण उपकरण शामिल हैं। ये सभी बच्चे पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के आश्रित हैं और विभिन्न सरकारी विद्यालयों में पढ़ाई कर रहे हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने महिला श्रमिकों के साथ सीधा संवाद कर उनके जमीनी अनुभवों और चुनौतियों को जाना। कार्यक्रम में दिल्ली के श्रम मंत्री कपिल मिश्रा, वरिष्ठ अधिकारी, प्रशिक्षण एजेंसियों के प्रतिनिधि और हजारों की संख्या में निर्माण श्रमिक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली का हर विकास कार्य श्रमिकों के अथक परिश्रम और समर्पण का परिणाम है। श्रमिक केवल श्रम नहीं करते बल्कि देश और समाज की प्रगति की नींव रखते हैं। सरकार की जिम्मेदारी केवल श्रमिकों के काम का उपयोग करना नहीं बल्कि उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाना, उन्हें सुरक्षा देना और उनके परिवारों को अवसर प्रदान करना भी है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में श्रमिक कल्याण के लिए शुरू की गई विभिन्न योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि ई-श्रम पोर्टल और अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं ने करोड़ों श्रमिकों को लाभ पहुंचाया है। दिल्ली सरकार भी इसी दिशा में कार्य करते हुए सिंगल विंडो पोर्टल, लेबर चौकों पर पंजीकरण, अधिक न्यूनतम वेतन, 5 रुपये में पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने वाली अटल कैंटीन, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों और मोबाइल स्वास्थ्य सेवाओं जैसी सुविधाएं प्रदान कर रही है। मुख्यमंत्री ने श्रमिकों के लिए कई अहम घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य श्रमिकों पर आर्थिक बोझ कम करना और उन्हें अधिक से अधिक सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ना है।

इसी के तहत दिल्ली के पंजीकृत भवन एवं निर्माण श्रमिकों के लिए पंजीकरण शुल्क 20 रुपये और नवीनीकरण शुल्क 5 रुपये को पूरी तरह माफ कर दिया गया है। साथ ही मुख्यमंत्री ने 'सामूहिक विवाह योजना' शुरू करने की घोषणा की। इस योजना के तहत प्रत्येक पात्र जोड़े को आर्थिक सहायता दी जाएगी। विवाह समारोह के लिए टेंट, भोजन और अन्य सभी जरूरी व्यवस्थाओं का खर्च सरकार उठाएगी। उन्होंने बताया कि श्रमिकों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए आधुनिक लेबर चौक और 'श्रमिक सेवा केंद्र' स्थापित किए जाएंगे। इन केंद्रों के जरिए मोबाइल वैन सीधे श्रमिकों तक सेवाएं पहुंचाएंगी। इन केंद्रों पर पीने का पानी, बैठने की व्यवस्था, शौचालय, प्राथमिक उपचार, रोजगार के अवसर, कौशल विकास और शिकायत निवारण जैसी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे श्रमिकों को लंबी कतारों में खड़ा नहीं होना पड़ेगा और सेवाएं अधिक पारदर्शी व आसान बनेंगी।

इस अवसर पर श्रम मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि श्रमिक दिवस और बुद्ध पूर्णिमा का यह अवसर श्रम, सेवा और सम्मान का प्रतीक है। दुनियाभर में यह दिन श्रमिकों के योगदान को सम्मान देने के लिए मनाया जाता है। दिल्ली ने वर्षों बाद ऐसी मुख्यमंत्री देखी है, जो सीधे श्रमिकों के बीच पहुंच कर उनके साथ खड़ी हैं। यह श्रमिकों के लिए नए विश्वास और नई शुरुआत का संकेत है।

# हमें पानी की हर एक बूंद बचानी होगी: मुख्यमंत्री

**नई दिल्ली।** दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने वर्षा जल संचयन को जन भागीदारी का संकल्प बनाते हुए शुक्रवार को दिल्ली के आरकेपुरम में 'कैच द रेन 2026' अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान 'नीरा-पानी की वाणी' मैस्कॉट का भी अनावरण हुआ, जो लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने का संदेश देगा। इस मौके पर दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज, विधायक अनिल कुमार शर्मा उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि बारिश की हर बूंद, भविष्य की सुरक्षा है। अगर हम उसे वहीं सहेज लें जहां वह गिरती है, तो दिल्ली की जल स्थिति में बड़ा परिवर्तन संभव है। 'कैच द रेन' को अभियान नहीं बल्कि जन स्वभाव बनाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्षा जल संचयन हमारी परंपरा की बुद्धिमत्ता है, जिसे आज की आवश्यकता बनाना होगा। सरकार द्वारा 50,000 तक की सब्सिडी, पानी के बिल में 10 से 15 प्रतिशत तक की छूट और निःशुल्क तकनीकी सहायता जैसे कदम इस दिशा को गति दे रहे हैं। अब लक्ष्य है कि हर घर, हर छत और हर संस्थान इस प्रयास का सक्रिय हिस्सा बने। दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि दिल्ली में पानी की कमी नहीं बल्कि उसे बचाने की सोच की कमी है। अब समय है कि हर बिल्डिंग, हर सोसायटी और हर कॉलोनी में रेन वाटर हार्वेस्टिंग को अपनाया जाए। यह सरकार का नहीं, हम सबका अभियान है।

# दिल्ली पुलिस का कांस्टेबल 50 लाख रुपये की लूट के मामले में गिरफ्तार

**नई दिल्ली।** दिल्ली के आजाद मार्केट अंडरपास के पास पिछले महीने 50 लाख रुपये की लूट में संलिप्तता के आरोप में दिल्ली पुलिस के एक कांस्टेबल को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उनके मुताबिक, आरोपी की पहचान समय सिंह के रूप में हुई है, जो दिल्ली पुलिस की 5वीं बटालियन में तैनात था। उन्होंने बताया कि उस पर 31 मार्च को लूट की वारदात को अंजाम देने के लिए अपने साथियों के साथ मिलकर साजिश रचने का आरोप है।

पुलिस के अनुसार, यह घटना तब हुई जब चार लोगों ने आजाद मार्केट अंडरपास के पास एक चलते ऑटो-रिक्शा को रोका और करीब 50 लाख रुपये की नकदी लूट कर फरार हो गए। मामला दर्ज कर तुरंत जांच शुरू की गई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, ₹मामले में शामिल कई आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका था। जांच के दौरान कांस्टेबल की भूमिका सामने आई।₹ उन्होंने बताया कि सिंह घटना के बाद से ही फरार था और सीसीटीवी फुटेज व तकनीकी निगरानी के जरिए उसका पता लगाया गया।

अधिकारी ने कहा कि उसे अंततः राजस्थान के दौसा से पकड़ा गया। पुलिस को संदेह है कि सिंह ने लूट की साजिश रचने और अपने सहयोगियों के साथ समन्वय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। अधिकारी ने कहा, ₹उसे एक आदतन अपराधी माना जाता है जो लूट के बड़े मामलों में शामिल रहा है। पुलिस ने बताया कि यह सत्यापित करने के लिए आगे की जांच जारी है कि क्या वह इसी तरह के अन्य अपराधों से जुड़ा था। लूट की शेष राशि का पता लगाने के भी प्रयास किए जा रहे हैं।

# मुंबई क्षेत्र में ड्रग्स तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 1,745 करोड़ की कोकीन बरामद

❖ जनभावना टाइम्स

**नई दिल्ली।** नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) ने "ऑपरेशन व्हाइट स्ट्राइक" के तहत मुंबई और आसपास के इलाकों में एक बड़े अंतरराष्ट्रीय कोकीन तस्करी सिंडिकेट का भंडाफोड़ करते हुए करीब 349 किलोग्राम हाई-ग्रेड कोकीन बरामद की है। अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार में इसकी अनुमानित कीमत करीब 1,745 करोड़ रुपये बताई जा रही है। यह हाई-प्रोफाइल ऑपरेशन छह महीने से अधिक समय तक चली खुफिया निगरानी और जानकारी के आधार पर अंजाम दिया गया। NCB की टीमों ने पहले चरण में नवी मुंबई के कालंबोली स्थित KWC वेयरहाउसिंग कॉम्प्लेक्स के पास एक मारुति सुजुकी सुपर कैरी (CNG) वाहन को रोका। तलाशी के दौरान वाहन से 136 किलो कोकीन (136 पैकेट, प्रत्येक 1 किलो) बरामद हुई। यह

ड्रग्स क्रिकेट पैड और ग्लव्स के अंदर छिपाकर रखी गई थी। मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया।पूछताछ के बाद मिली जानकारी के आधार पर NCB ने दूसरा ऑपरेशन भिवंडी (ठाणे) के एक गोदाम में चलाया, जहां से 213 किलो कोकीन (213 पैकेट) और बरामद की गई।

जांच में सामने आया है कि कोकीन को भारत में आयात की गई मशीनों के अंदर छिपाकर लाया गया था। हर पैकेट को 9 परतों वाली पॉलिथीन में पैक किया गया था, जिसमें एक परत काले चिकनाईयुक्त पदार्थ की भी थी, ताकि स्कैनिंग से बचा जा सके। भिवंडी के वेयरहाउस नेटवर्क का इस्तेमाल इस संगठित तस्करी के लिए किया जा रहा था, जहां माल को स्टोर कर आगे सप्लाई किया जाता था। NCB अब इस पूरे नेटवर्क के सरगना, फाइनेंसर और रिसीवर तक

पहुंचने के लिए जांच तेज कर चुकी है। इस बड़ी सफलता पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने NCB टीम को बधाई देते हुए कहा कि सरकार नशा तस्करी के खिलाफ "जीरो टॉलरेंस" नीति पर काम कर रही है और ऐसे कार्टेल को जड़ से खत्म किया जाएगा।यह ऑपरेशन इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि भारत में आमतौर पर एक साल में कुल 200-300 किलो कोकीन ही बरामद होती है, जबकि इस एक कार्रवाई में ही 349 किलो ड्रग्स पकड़ी गई है।

# महिला ड्रग तस्कर गिरफ्तार, 1.25 करोड़ की हेरोइन बरामद

❖ जनभावना टाइम्स

**नई दिल्ली।** दिल्ली पुलिस के आउटर-नॉर्थ जिले की एंटी नारकोटिक्स स्क्वाड ने ड्रग्स के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए एक महिला ड्रग पेडलर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से करीब 179 ग्राम उच्च गुणवत्ता की हेरोइन (स्मैक) बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 1.25 करोड़ रुपये आंकी गई है। यह कार्रवाई जॉइंट कमिश्नर ऑफ पुलिस (नॉर्दर्न रेंज) विजय सिंह के मार्गदर्शन, डीसीपी आउटर-नॉर्थ हरेश्वर स्वामी के नेतृत्व और एडिशनल डीसीपी अमित कौशिक की निगरानी में की गई।एडिशनल डीसीपी अमित कौशिक ने बताया कि एंटी नारकोटिक्स स्क्वाड टिम को महिला तस्कर की सूचना मिली, सूचना के आधार पर इंस्पेक्टर गौरव चौधरी के

नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने कानूनी औपचारिकताएं पूरी करते हुए नरेला के सेक्टर-A6 इलाके में छापेमारी की। छापे के दौरान पुलिस ने मौके से एक महिला आरोपी पिंकी (23), पत्नी इमरान, निवासी सेक्टर-A6 नरेला को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से 179 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।पुलिस ने इस मामले में थाना नरेला में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21/25 के तहत केस दर्ज कर आरोपी को 1 मई को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी पिंकी अशिक्षित है और इलाके में ड्रग सप्लाई नेटवर्क से जुड़ी हुई थी।

# स्वाति मालीवाल ने मुख्यमंत्री भगवंत मान पर पंजाब विधानसभा में शराब पीकर आने का लगाया आरोप

**नई दिल्ली।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता और राज्यसभा सांसद स्वाती मालीवाल ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर पंजाब विधानसभा में शराब पीकर आने का आरोप लगाया है। राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि आज फिर से पंजाब मुख्यमंत्री भगवंत मान लोकतंत्र के मंदिर पंजाब विधानसभा में शराब के नशे में चूर होकर पहुंचे। उन्होंने कहा कि भगवंत मान गुरुद्वारा साहिब शराब, मंदिर, लोकसभा, सरकार की मीटिंग में शराब पीकर जाते है, विदेश में इतनी शराब पीली की प्लेन से उतार दिया गया। मालीवाल ने पंजाब के मुख्यमंत्री पर कटाक्ष करते हुए कहा कि चुनाव से पहले भगवंत मान ने अपनी मां के सर पर हाथ रखकर बोला था कि अब कभी शराब नहीं पियूंगा। उन्होंने कहा कि पंजाब जैसे सेंसिटिव बॉर्डर स्टेट के मुख्यमंत्री हर वक़्त नशे में रहते है, नशे में फाइल साइन करते है। जनता के साथ ऐसा कैसे कोई कर सकता है। स्वाति मालीवाल ने पंजाब के मुख्यमंत्री

पर निशाना साधते हुए कहा कि जो आदमी शराब से सिर्फ नींद के वक्त दूर होता हो वो कैसे पंजाब चला सकता है? स्वाति ने भगवंत मान की आलोचना करते हुए सरकार से मुख्यमंत्री का अल्कोहल टेस्टर करवाने की मांग की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के दोषी पाए जाने पर उनको पद से बर्खास्त करना चाहिए।

## त्रिलोकपुरी में युवक पर चाकू से हमला, दो नामजद आरोपित फरार

**नई दिल्ली।** पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार थाना क्षेत्र स्थित त्रिलोकपुरी इलाके में गुरुवार रात एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया गया। गंभीर रूप से घायल युवक को पहले स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए एम्स ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक, 30 अप्रैल रात करीब 10 बजे मयूर विहार थाना पुलिस को सूचना मिली कि चाकूबाजी में घायल एक युवक अस्पताल लाया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम अस्पताल पहुंची और घायल राजेश का बयान लेने के साथ जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में पता चला कि घायल युवक अपने साथी के साथ त्रिलोकपुरी स्थित घर के पास मौजूद था। इसी दौरान दो परिचित आरोपित वहां पहुंचे और उस पर चाकू से हमला कर फरार हो गए। शिकायतकर्ता के बयान और मेडिकल साक्ष्यों के आधार पर मयूर विहार थाने में एफआईआर संख्या 165/26 दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने दोनों आरोपितों की पहचान कर ली है और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

# दिल्ली पुलिस सीसीटीएनएस प्रगति डैशबोर्ड में फिर नंबर-1

## लगातार छठी बार हासिल की टॉप रैंक

**नई दिल्ली।** दिल्ली पुलिस ने तकनीक आधारित पुलिसिंग और डिजिटल डेटा प्रबंधन में एक बार फिर देशभर में अपनी बादशाहत कायम रखी है। दिल्ली पुलिस ने सीसीटीएनएस प्रगति डैशबोर्ड पर 100 प्रतिशत स्कोर हासिल करते हुए सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पहला स्थान प्राप्त किया है। यह लगातार छठी बार है जब दिल्ली पुलिस ने यह उपलब्धि हासिल की है। इससे पहले दिल्ली पुलिस अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर 2025 में लगातार 100 प्रतिशत अंक के साथ शीर्ष पर रही थी। इसके बाद जनवरी, फरवरी और अब मार्च 2026 में भी पहला स्थान बरकरार रखते हुए डिजिटल पुलिसिंग में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन दर्ज किया है। पुलिस मुख्यालय से शुक्रवार को मिली जानकारी के अनुसार, गृह मंत्रालय और राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा मॉनिटर किए जाने वाले प्रगति डैशबोर्ड पर राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों का मूल्यांकन डेटा की गुणवत्ता, मात्रा, समयबद्धता और शुद्धता के आधार पर किया जाता है। इसमें सीसीटीएनएस के तहत थानों की कनेक्टिविटी, डिजास्टर रिकवरी सेंटर, कोर एप्लिकेशन मॉड्यूल में डेटा एंट्री, पुराने रिकॉर्ड का डिजिटाइजेशन, एफआईआर की इलेक्ट्रॉनिक कोर्ट सबमिशन, नागरिक सेवाएं और आईसीजेएस समीक्षा बैठकें जैसे मानकों को शामिल किया जाता है।

पुलिस के अनुसार, इस उपलब्धि में क्राइम ब्रांच की सीसीटीएनएस टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टीम ने डेटा क्वालिटी की लगातार निगरानी, जिलों और थानों के साथ रियल-टाइम समन्वय, तकनीकी व प्रक्रियागत समस्याओं का समय पर समाधान तथा नियमित प्रशिक्षण के जरिए सिस्टम को मजबूत बनाए रखा। सभी पुलिस जिलों की सक्रिय भागीदारी और समयबद्ध रिकॉर्ड अपडेटिंग ने भी इस सफलता में अहम योगदान दिया।

# उपमहापौर डॉ. मोनिका पंत ने डीडीए मार्केट, कड़कड़डूमा में किया औचक निरीक्षण

**नई दिल्ली।** दिल्ली की उपमहापौर डॉ. मोनिका पंत ने शुक्रवार को आनंद विहार की वार्ड नंबर 206 अंतर्गत डीडीए मार्केट, कड़कड़डूमा में औचक निरीक्षण कर अवैध निर्माण और अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। निरीक्षण के दौरान मौके पर ही अवैध कब्जों को हटाया गया और संबंधित विभागों को तत्काल प्रभाव से सख्ती बरतने के निर्देश दिए। उपमहौपार डॉ. मोनिका पंत ने कहा कि अतिक्रमण और अवैध निर्माण किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि भविष्य में ऐसी अनियमितताएं दोबारा सामने आईं तो कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। डॉ. मोनिका पंत ने क्षेत्र में नियमित मॉनिटरिंग, साफ-सफाई और सुव्यवस्था बनाए रखने को लेकर सख्त दिशा-निर्देश जारी किए। उपमहापौर ने कहा कि दिल्ली नगर निगम "जीरो टॉलरेंस" की नीति पर काम कर रहा है और राजधानी को अतिक्रमण मुक्त, स्वच्छ और व्यवस्थित बनाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनहित सर्वोपरि रखते हुए हर स्तर पर सख्ती और पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान शाहदरा साउथ जोन की उपायुक्त ममता यादव सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौके पर मौजूद रहे।

## संपादकीय

# यूएई का ओपेक से बाहर निकलने के फैसले की वजह

खाड़ी में चल रहे संकट के दौरान संयुक्त अरब अमीरात का अचानक ओपेक (ऑर्गनाइजेशन ऑफ द पेट्रोलियम एक्सपोर्टिंग कंट्रीज) से बाहर निकलने का निर्णय चौंकाने वाला है। इस निर्णय की वजह पर वैश्विक चर्चा जोरों पर है। संयुक्त अरब अमीरात के इस फैसले को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पक्ष में देखा जा रहा है। क्योंकि ट्रंप जब तब ओपेक पर आरोप लगाते रहे हैं कि यह संगठन तेल कीमतें बढ़ा कर दुनिया का शोषण करता है। इसके अलावा संयुक्त अरब अमीरात भी ओपेक की यह कह कर आलोचना करता रहा है कि युद्ध के दौरान उस पर ईरानी द्वारा किए गए हमलों से उसे बचाने के लिए साथी अरब देशों ने कोई सार्थक पहल नहीं की। संयुक्त अरब अमीरात ने करीब छह दशक बाद यह निर्णय ऐसे समय में लिया है जब मध्य पूर्व में संघर्ष के चलते दुनिया भर में ऊर्जा को लेकर बड़ा संकट खड़ा हो गया है। जिसकी वजह से वैश्विक अर्थव्यवस्था पूरी तरह से हिल गई है। गौरतलब है कि ईरान, इराक़, कुवैत, सऊदी अरब और वेनेज़ुएला ने मिल कर 1960 में ओपेक की स्थापना इस उद्देश्य से की थी कि उत्पादन का तालमेल बैठा कर तेल निर्यातकों के हितों की रक्षा की जा सके और सदस्यों के लिए स्थिर आय सुनिश्चित हो जाए। पांच संस्थापक देशों के अलावा इस संगठन में नाइजीरिया, लीबिया, अल्जीरिया, इक्वेटोरियल गिनी, गैबॉन और कांगो गणराज्य भी शामिल हैं। संयुक्त अरब अमीरात भी 1967 में इस संगठन का हिस्सा बना था। संयुक्त अरब अमीरात के इससे बाहर होने के बाद इसमें 11 सदस्य शेष रह जाएंगे। इसके अलावा ओपेक प्लस गठबंधन में इन मुल्कों के अलावा 10 ग़ैर ओपेक सदस्य और भी शामिल हैं, जिनमें रूस प्रमुख है। आंकड़ बताते हैं कि संयुक्त अरब अमीरात हर साल लगभग 29 लाख बैरल तेल का उत्पादन करता है। ओपेक का सबसे बड़ा उत्पादक देश सऊदी अरब है। जो सालाना 90 लाख बैरल तेल का उत्पादन करता है। विश्लेषकों का मानना है कि संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब के बीच उत्पादन को लेकर लंबे समय से तनाव बरकरार था। संयुक्त अरब अमीरात अधिक उत्पादन के पक्ष में था। जबकि सऊदी अरब कम उत्पादन के पक्ष में था। इसके अलावा संयुक्त अरब अमीरात पाकिस्तान से इस लिए नाराज है क्योंकि वह अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा था और ईरान के हमलों पर कड़ा रुख नहीं अपना रहा था।संयुक्त अरब अमीरात के इस फैसले से वैश्विक बाजार में तेल की सप्लाई बढ़ने से उसकी कीमतों में कमी आ सकती है।

*चरम तापमान का सबसे प्रत्यक्ष और स्पष्ट प्रभाव फसलों पर पड़ता है। यह स्थापित तथ्य है कि 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर का तापमान गेहूं, चावल और मक्का जैसी प्रमुख फसलों के लिए प्रतिकूल होता है। अधिक तापमान पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को बाधित करता है, परागण को प्रभावित करता है और दानों के विकास को अधूरा छोड़ देता है। परिणामस्वरूप उत्पादन में गिरावट आती है, जो कई मामलों में 10 से 50 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। यह केवल मात्रा की समस्या नहीं है- गर्मी के कारण अनाज का पोषण स्तर भी घटता है, जिससे खाद्य गुणवत्ता प्रभावित होती है। इस प्रकार, यह संकट उत्पादन और पोषण दोनों को एक साथ चोट पहुंचाता है। पशुपालन क्षेत्र भी इस तापीय दबाव से अछूता नहीं है। उच्च तापमान के कारण पशुओं में हीट स्ट्रेस बढ़ता है, जिससे उनकी उत्पादकता पर सीधा असर पड़ता है। डेयरी पशुओं में दूध उत्पादन में कमी, मुर्गियों में अंडा उत्पादन का घट जाना और सूअरों में वृद्धि दर का धीमा होना इसके प्रमुख उदाहरण हैं।*

# उबलती धरती, डगमगाती थाली

**- डॉ. सत्यवान सौरभ**

जलवायु परिवर्तन के इस निर्णायक दौर में चरम गर्मी अब केवल मौसमी विचलन नहीं रह गई है; यह एक गहरे संरचनात्मक संकट के रूप में उभर रही है, जो वैश्विक खाद्य प्रणालियों की बुनियाद को हिला रही है। बढ़ते तापमान और तीव्र होती हीटवेव्स ने कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य आपूर्ति शृंखलाओं को एक ऐसे दबाव में ला खड़ा किया है, जहां हर कड़ी कमजोर पड़ती दिख रही है। वैज्ञानिक और नीति-निर्माता अब इसे एक "रिस्क मल्टीप्लायर" के रूप में पहचान रहे हैं- ऐसा कारक जो न केवल स्वयं नुकसान पहुंचाता है बल्कि अन्य जोखिमों को भी कई गुना बढ़ा देता है। यदि अब निर्णायक कदम नहीं उठाए गए तो चरम गर्मी आने वाले दशकों में वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा व्यवस्थित खतरा बन जाएगी।

चरम तापमान का सबसे प्रत्यक्ष और स्पष्ट प्रभाव फसलों पर पड़ता है। यह स्थापित तथ्य है कि 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर का तापमान गेहूं, चावल और मक्का जैसी प्रमुख फसलों के लिए प्रतिकूल होता है। अधिक तापमान पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को बाधित करता है, परागण को प्रभावित करता है और दानों के विकास को अधूरा छोड़ देता है। परिणामस्वरूप उत्पादन में गिरावट आती है, जो कई मामलों में 10 से 50 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। यह केवल मात्रा की समस्या नहीं है- गर्मी के कारण अनाज का पोषण स्तर भी घटता है, जिससे खाद्य गुणवत्ता प्रभावित होती है। इस प्रकार, यह संकट उत्पादन और पोषण दोनों को एक साथ चोट पहुंचाता है। पशुपालन क्षेत्र भी इस तापीय दबाव से अछूता नहीं है। उच्च तापमान के कारण पशुओं में हीट स्ट्रेस बढ़ता है, जिससे उनकी उत्पादकता पर सीधा असर पड़ता है। डेयरी पशुओं में दूध उत्पादन में कमी, मुर्गियों में अंडा उत्पादन का घट जाना और सूअरों में वृद्धि दर का धीमा होना इसके प्रमुख उदाहरण हैं। चरम परिस्थितियों में पशुओं की मृत्यु तक हो सकती है, जिससे किसानों की आय पर गंभीर चोट पड़ती है। मत्स्य पालन में स्थिति और भी जटिल हो जाती है–समुद्री तापीय लहरों के कारण जल में घुलित ऑक्सीजन की मात्रा घटती है, जिससे मछलियां तनावग्रस्त हो जाती हैं और उनका जीवित रहना कठिन हो जाता है। इस तरह, अत्यधिक गर्मी खाद्य उत्पादन के सभी प्रमुख स्रोतों को एक साथ प्रभावित कर रही है।

असली चुनौती तब सामने आती है जब ये प्रभाव एक-दूसरे को बढ़ाने लगते हैं। चरम गर्मी सूखे को जन्म देती है, जिससे जल संसाधनों पर अभूतपूर्व दबाव पड़ता है। सिंचाई के लिए पानी की कमी फसलों की उत्पादकता को और घटा देती है, जबकि पशुओं और मनुष्यों के लिए जल संकट गंभीर रूप ले लेता है। इसके अलावा, उच्च तापमान कीटों और रोगों के प्रसार के लिए अनुकूल परिस्थितियां पैदा करता है। टिड्डी दल जैसी घटनाएं अधिक बार और अधिक तीव्रता से देखने को मिल रही हैं, जो कुछ ही दिनों में विशाल फसल क्षेत्र को नष्ट कर सकती हैं। इस प्रकार, तापमान वृद्धि केवल एक अलग-थलग समस्या नहीं बल्कि एक ऐसे चक्र का हिस्सा है जो लगातार खुद को मजबूत करता जाता है।

वन क्षेत्रों में भी इसका गहरा प्रभाव दिखाई देता है। बढ़ती गर्मी और सूखे के कारण जंगलों में आग लगने की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे जैव विविधता को नुकसान पहुंचता है और कार्बन चक्र बाधित होता है। यह एक खतरनाक दुष्चक्र को जन्म देता है–जंगलों की आग से कार्बन उत्सर्जन बढ़ता है, जो आगे तापमान वृद्धि को और तेज करता है, और यह वृद्धि फिर नई आग की घटनाओं को जन्म देती है। इस चक्र का प्रभाव अंततः कृषि और खाद्य प्रणालियों पर ही पड़ता है। चरम गर्मी का एक महत्वपूर्ण लेकिन अक्सर अनदेखा पहलू श्रम उत्पादकता पर इसका प्रभाव है। कृषि क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिक, विशेषकर विकासशील देशों में, अत्यधिक तापमान के कारण काम करने में असमर्थ हो जाते हैं। जब "गीला बल्ब तापमान" एक निश्चित सीमा से ऊपर पहुंच जाता है, तो मानव शरीर के लिए लंबे समय तक काम करना जानलेवा हो सकता है। यह स्थिति एक प्रकार का "हीट-इकोनॉमी ट्रैप" पैदा करती है, जहां गर्मी सीधे श्रम, उत्पादन और आय–तीनों को सीमित कर देती है। अनुमान है कि दक्षिण एशिया जैसे क्षेत्रों में साल के सैकड़ों दिन ऐसे हो सकते हैं, जब श्रमिकों के लिए काम करना संभव नहीं रहेगा। इसका सीधा असर किसानों और मजदूरों की आय पर पड़ता है, जिससे आर्थिक असुरक्षा बढ़ती है।

इन सभी प्रभावों का सम्मिलित परिणाम एक "कैस्केडिंग फेल्योर" के रूप में सामने आता है। जब फसलें असफल होती हैं, पशुधन प्रभावित होता है और श्रमिक काम नहीं कर पाते, तो खाद्य आपूर्ति शृंखला टूटने लगती है। इसका सीधा असर बाजार पर पड़ता है- खाद्य कीमतें बढ़ती हैं, जिससे गरीब और कमजोर वर्गों के लिए भोजन तक पहुंच और कठिन हो जाती है। यह स्थिति कुपोषण, गरीबी और सामाजिक अस्थिरता को जन्म देती है। कई क्षेत्रों में यह प्रवासन को भी बढ़ावा देती है, जहां लोग जीविका की तलाश में अपने घर छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। इस प्रकार, चरम गर्मी एक पर्यावरणीय समस्या से कहीं अधिक- एक व्यापक सामाजिक-आर्थिक संकट बन जाती है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए यह चुनौती और भी गंभीर है। हरियाणा, पंजाब और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में हाल के वर्षों में हीटवेव्स के कारण गेहूं और चावल की पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा गया है। विशेष रूप से देर से बोई गई फसलों पर इसका असर अधिक पड़ता है, जिससे उत्पादन में 10 से 15 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई है। भारत की हरित क्रांति का केंद्र रहे ये क्षेत्र अब जलवायु अस्थिरता के सबसे बड़े प्रयोगशाला बनते जा रहे हैं। इसके साथ ही, भूजल का अत्यधिक दोहन और बढ़ती गर्मी मिलकर जल संकट को और गहरा कर रहे हैं, जो कृषि की स्थिरता के लिए गंभीर खतरा है।

इस संकट का प्रभाव समान रूप से वितरित नहीं है। छोटे और सीमांत किसान, महिलाएं और युवा सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। उनके पास सीमित संसाधन, कम तकनीकी जानकारी और जोखिम उठाने की कम क्षमता होती है। परिणामस्वरूप, वे जलवायु परिवर्तन के इस बढ़ते दबाव के सामने अधिक असुरक्षित हो जाते हैं। इस प्रकार, अत्यधिक गर्मी केवल पर्यावरणीय चुनौती नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को भी गहरा करने वाला कारक बन रही है।

ऐसे में समाधान की दिशा में ठोस और बहुआयामी रणनीतियों की आवश्यकता है। सबसे पहले, अनुकूलन (adaptation) पर ध्यान देना होगा। जलवायु-स्मार्ट कृषि पद्धतियां–जैसे गर्मी-सहनशील बीजों का उपयोग, फसल विविधीकरण, ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई, तथा छायादार खेती–इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। इसके अलावा, मौसम पूर्वानुमान और प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों को मजबूत करना आवश्यक है, ताकि किसान समय रहते अपने निर्णय बदल सकें और नुकसान को कम कर सकें।

पशुपालन के क्षेत्र में भी सुधार की आवश्यकता है। बेहतर वेंटिलेशन वाले शेड, पर्याप्त जल उपलब्धता और चयनात्मक प्रजनन जैसी तकनीकों के माध्यम से पशुओं को गर्मी के प्रभाव से बचाया जा सकता है। साथ ही, बीमा योजनाओं और वित्तीय सहायता के जरिए किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना भी आवश्यक है, ताकि वे जलवायु जोखिमों का सामना कर सकें। नीतिगत स्तर पर, सरकारों को एक समग्र और दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाना होगा।

# पीएचडी: उपाधि नहीं, ज्ञान-सृजन की निरंतर यात्रा

**- डॉ. प्रियंका सौरभ**

आज के समय में पीएचडी (Doctor of Philosophy) को लेकर समाज में अनेक धारणाएँ प्रचलित हैं। कुछ लोग इसे केवल "डिग्री" मानते हैं, कुछ इसे नौकरी पाने का साधन समझते हैं, जबकि कुछ इसे प्रतिष्ठा का प्रतीक मान बैठते हैं। सोशल मीडिया पर भी समय-समय पर ऐसे लेख और टिप्पणियाँ सामने आती रहती हैं जिनमें पीएचडी की उपयोगिता, कठिनाई और वास्तविक अर्थ पर बहस होती है। वास्तव में पीएचडी केवल एक प्रमाणपत्र नहीं, बल्कि ज्ञान की सीमाओं को आगे बढ़ाने की सतत बौद्धिक यात्रा है। यह थीसिस लिखकर समाप्त होने वाली प्रक्रिया नहीं, बल्कि शोध-चिंतन, विश्लेषण और समाजोपयोगी योगदान की निरंतर साधना है।

पीएचडी का मूल उद्देश्य किसी विषय के स्थापित ज्ञान को दोहराना नहीं, बल्कि उसमें नया जोड़ना है। स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर तक विद्यार्थी प्रायः उपलब्ध ज्ञान को पढ़ते, समझते और परीक्षाओं के माध्यम से सिद्ध करते हैं। परंतु पीएचडी उस बिंदु से आगे की अवस्था है जहाँ शोधार्थी स्वयं प्रश्न गढ़ता है, समस्या की पहचान करता है, पद्धति चुनता है, प्रमाण जुटाता है और निष्कर्ष प्रस्तुत करता है। इस अर्थ में पीएचडी "सीखने" से अधिक "नया रचने" की प्रक्रिया है। बहुत से लोग समझते हैं कि पीएचडी का मतलब केवल मोटी थीसिस जमा कर देना है। यह सोच अधूरी है। थीसिस तो उस दीर्घ यात्रा का लिखित दस्तावेज़ है जो कई वर्षों के अध्ययन, क्षेत्रकार्य, प्रयोग, डेटा विश्लेषण, आलोचनात्मक चिंतन और संशोधन के बाद तैयार होता है। एक अच्छी थीसिस में केवल शब्दों की संख्या नहीं, बल्कि विचारों की मौलिकता, शोध की ईमानदारी और निष्कर्षों की उपयोगिता महत्व रखती है। यदि शोधार्थी ने समस्या को गहराई से समझा, उचित पद्धति अपनाई और निष्पक्ष निष्कर्ष दिए, तभी उसका शोध सार्थक माना जाता है।

पीएचडी शोधार्थी को धैर्य सिखाती है। शोध में अक्सर त्वरित परिणाम नहीं मिलते। कई बार महीनों का प्रयास असफल हो जाता है, परंतु शोधकर्ता पुनः आरंभ करता है। विज्ञान प्रयोगशाला में प्रयोग विफल हो सकते हैं, समाज विज्ञान में सर्वेक्षण अपेक्षित परिणाम नहीं दे सकता, साहित्य में संदर्भ सामग्री अधूरी मिल सकती है। फिर भी शोधार्थी हार नहीं मानता। यही निरंतरता उसे साधारण विद्यार्थी से शोधकर्ता बनाती है।

यह भी सत्य है कि पीएचडी केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, सामाजिक जिम्मेदारी भी है। जब कोई व्यक्ति शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य, अर्थशास्त्र, भाषा, पर्यावरण, तकनीक या नीति से जुड़ विषयों पर शोध करता है, तो उसके निष्कर्ष समाज को दिशा दे सकते हैं। उदाहरण के लिए, ग्रामीण शिक्षा पर शोध सरकारी विद्यालयों की दशा सुधार सकता है; जल संरक्षण पर शोध नीति निर्माण में सहायक हो सकता है; भारतीय भाषाओं पर शोध सांस्कृतिक विरासत को सहेज सकता है। इसलिए पीएचडी का मूल्य केवल विश्वविद्यालय परिसर तक सीमित नहीं होता।

हालाँकि, यह भी स्वीकार करना होगा कि वर्तमान समय में शोध जगत अनेक चुनौतियों से घिरा है। कुछ स्थानों पर शोध की गुणवत्ता पर प्रश्न उठते हैं। कहीं मार्गदर्शन की कमी है, कहीं संसाधनों का अभाव, कहीं शोधार्थियों पर अनावश्यक प्रशासनिक बोझ, तो कहीं केवल औपचारिकता निभाने की प्रवृत्ति। कुछ लोग पीएचडी को मात्र पदोन्नति या नौकरी हेतु आवश्यक पात्रता मानकर करते हैं। इससे शोध की आत्मा प्रभावित होती है। जब उद्देश्य ज्ञान नहीं, केवल लाभ हो जाए, तो शोध सतही होने लगता है। इस समस्या का समाधान पीएचडी की आलोचना में नहीं, बल्कि उसकी गुणवत्ता सुधारने में है। विश्वविद्यालयों को शोध अवसंरचना मजबूत करनी होगी। प्रयोगशालाएँ, पुस्तकालय, डिजिटल डेटाबेस, वित्तीय सहायता और सक्षम मार्गदर्शक उपलब्ध कराने होंगे। शोधार्थियों को लेखन, अनुसंधान पद्धति, नैतिकता और प्रकाशन की उचित प्रशिक्षण व्यवस्था मिलनी चाहिए। साथ ही, शोध मूल्यांकन केवल पृष्ठ संख्या या औपचारिक प्रस्तुति से नहीं, बल्कि वास्तविक योगदान से होना चाहिए। पीएचडी में मार्गदर्शक (Supervisor) की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। एक अच्छा मार्गदर्शक शोधार्थी को स्वतंत्र सोचने की प्रेरणा देता है, त्रुटियाँ बताता है, दिशा देता है और मानसिक संबल भी प्रदान करता है। वहीं यदि मार्गदर्शन कमजोर हो, तो प्रतिभाशाली विद्यार्थी भी भटक सकता है। इसलिए मार्गदर्शक चयन और उत्तरदायित्व की प्रणाली मजबूत होनी चाहिए। आज के डिजिटल युग में शोध का स्वरूप भी बदल रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, बिग डेटा, अंतर्विषयी अध्ययन, ओपन एक्सेस जर्नल, ऑनलाइन डेटाबेस और वैश्विक सहयोग ने पीएचडी को नई संभावनाएँ दी हैं। अब शोध केवल पुस्तकालय की अलमारियों तक सीमित नहीं रहा। एक भारतीय शोधार्थी विश्वस्तरीय सामग्री तक पहुँच सकता है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संवाद कर सकता है। यह अवसर है, पर इसके साथ चुनौती भी है कि सूचना की अधिकता में गुणवत्ता और मौलिकता कैसे बनाए रखें।

पीएचडी का सबसे बड़ा गुण आलोचनात्मक चिंतन है। शोधार्थी हर तथ्य को प्रश्न की दृष्टि से देखता है। वह केवल स्वीकार नहीं करता, जाँचता है। वह केवल परंपरा नहीं दोहराता, तर्क मांगता है। यही दृष्टि समाज के लिए अमूल्य है। लोकतंत्र, नीति निर्माण, शिक्षा सुधार और सामाजिक विमर्श में ऐसे प्रशिक्षित मस्तिष्कों की आवश्यकता होती है जो भावनाओं से नहीं, प्रमाणों से सोचें। कई बार लोग पूछते हैं–पीएचडी करने से मिलता क्या है? इसका उत्तर वेतन, पद या उपाधि तक सीमित नहीं है। पीएचडी व्यक्ति को अनुशासन, धैर्य, लेखन क्षमता, प्रस्तुतीकरण कौशल, समस्या समाधान क्षमता और गहरी बौद्धिक परिपक्वता देती है। वह जटिल प्रश्नों को व्यवस्थित ढंग से समझना सीखता है। यह क्षमता जीवन के हर क्षेत्र में उपयोगी है।

भारत जैसे युवा देश में शोध संस्कृति को मजबूत करना अत्यंत आवश्यक है। यदि हम केवल उपभोक्ता बने रहेंगे और नया ज्ञान उत्पन्न नहीं करेंगे, तो वैश्विक प्रतिस्पर्धा में पीछे रह जाएँगे। तकनीक, स्वास्थ्य, कृषि, रक्षा, पर्यावरण, भाषा और सामाजिक नीति–हर क्षेत्र में स्वदेशी शोध आवश्यक है। इसलिए पीएचडी को सम्मानजनक, गुणवत्तापूर्ण और उपयोगी बनाना राष्ट्रीय आवश्यकता है। समाज को भी पीएचडी धारकों को केवल "डॉक्टर" कहकर सम्मानित करने या मज़ाक उड़ाने की दो चरम सीमाओं से बाहर आना होगा। हर पीएचडी श्रेष्ठ नहीं होती, पर हर पीएचडी निरर्थक भी नहीं होती। सही दृष्टिकोण यह है कि शोध को उसके योगदान, ईमानदारी और गुणवत्ता से आँका जाए। अंततः, पीएचडी थीसिस से आगे का सफर है। यह जिज्ञासा से आरंभ होकर ज्ञान सृजन पर समाप्त नहीं, बल्कि आगे बढ़ती यात्रा है। थीसिस उसकी मंज़िल नहीं, पड़ाव है। एक सच्चा शोधार्थी उपाधि मिलने के बाद भी प्रश्न पूछना नहीं छोड़ता। वह पढ़ता है, लिखता है, सोचता है और समाज को बेहतर बनाने की दिशा में योगदान देता है।

# देवर्षि नारद: देवताओं के दिव्य दूत और संचार के अग्रणी साधक

नारद मुनि की छवि इधर की उधर करने वाले और आपस में भिड़ाकर क्लेश कराने वाले पौराणिक चरित्र के रूप में गढ़ दी गयी है लेकिन वास्तव में उनका प्रमुख उद्देश्य प्रत्येक भक्त की पुकार भगवान तक पहुंचाना परिलक्षित होता है। वे एक लोक से दूसरे लोक में भ्रमण करते हुए संवाद-संकलन का कार्य कर सक्रिय एवं सार्थक संवाददाता की भूमिका निभाते हैं। संवाद के माध्यम से वे तोड़ने का नहीं बल्कि जोड़ने का कार्य करते हैं। देवताओं के ऋषि होने के साथ-साथ उन्हें देवताओं का दिव्य दूत और संचार का अग्रणी साधक माना गया है। उन्हें ब्रह्माण्ड का पहला ऐसा संदेशवाहक माना जाता है, जो एक लोक से दूसरे लोक की परिक्रमा करते हुए सूचनाओं का आदान-प्रदान किया करते थे। मान्यता है कि देवर्षि नारद का जन्म ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा के दिन हुआ था। प्रतिवर्ष इसी दिन नारद जयंती मनाई जाती है, जो इस वर्ष 2 मई को मनाई जा रही है। इस दिन भगवान विष्णु तथा माता लक्ष्मी का पूजन करने के पश्चात देवर्षि नारद की पूजा की जाती है। अपनी वीणा की मधुर तान से भगवान विष्णु का गुणगान करने और अपने श्रीमुख से सदैव नारायण-नारायण का जप करते हुए विचरण करने वाले नारद को महर्षि व्यास, महर्षि वाल्मीकि तथा महाज्ञानी शुकदेव का गुरू माना जाता है। कुछ शास्त्रों में नारद मुनि को त्रिकालदर्शी और विष्णु का अवतार भी माना गया है। श्रीमद्भागवद्पुराण के अनुसार सृष्टि में भगवान विष्णु ने देवर्षि नारद के रूप में तीसरा अवतार ग्रहण किया है। कुछ स्थानों पर उनका वर्णन बृहस्पति के शिष्य के रूप में भी मिलता है। धार्मिक पुराणों के अनुसार अनेक कलाओं तथा विद्या में निपुण देवर्षि नारद को संगीत की शिक्षा ब्रह्माजी ने स्वयं दी थी और भगवान विष्णु ने उन्हें माया के विविध रूप समझाए थे। मान्यता है कि देवर्षि नारद ने ही भक्त प्रह्लाद, भक्त अम्बरीष, भक्त ध्रुव इत्यादि भगवान विष्णु के कई परम भक्तों को उपदेश देकर उन्हें भक्ति मार्ग में प्रवृत्त किया था। उन्होंने ही भृगु कन्या लक्ष्मी का विवाह भगवान विष्णु के साथ कराया। देवराज इन्द्र को समझा-बुझाकर देव नर्तकी उर्वशी का पुरुरवा के साथ परिणय सूत्र कराया।

## आज का इतिहास

**महत्वपूर्ण घटनाचक्र**

1933 - जर्मनी में हिटलर ने मजदूर संघों पर प्रतिबंध लगा दिया।
1945 - इटली में मौजूद जर्मन सैनिकों ने आत्मसमर्पण कर दिया।
1949 - महात्मा गांधी की हत्या के मामले की सुनवाई शुरू।
1950 - फ्रांस ने कोलकाता के पास स्थित अपने उपनिवेश चंद्रनगर को भारत सरकार को सौंपा।
1952 - दुनिया के पहले जेट विमान डी हैविलैंड ने लंदन से जोहानिसबर्ग के बीच पहली उड़ान भरी।
1986 - सं.रा. अमेरिका की 30 वर्षीया एन. बैन्क्राफ उत्तरी ध्रुव पर पहुँचने वाली प्रथम महिला बनीं।
1997 - ब्रिटेन में 18 वर्षों बाद लेबर पार्टी सत्ता में, उसके नेता टोनी ब्लेयर ब्रिटेन के संसदीय इतिहास में सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री बने।
1999 - मिरया मोस्कोसो पनामा की प्रथम महिला राष्ट्रपति नियुक्त।
2002 - पाकिस्तान के इंजामामुल हक ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 329 रन बनाये।
2004 - मारेक बेल्का पोलैंड के नये प्रधानमंत्री बने।
2008 - अनिल अम्बानी ग्रुप की फर्म रिलायंस पावर लिमिटेड ने इण्डोनेशिया में तीन कोयला खदानों का अधिग्रहण किया।
2008 - ब्रिटेन के स्थानीय चुनाव में सत्तारुढ़ लेबर पार्टी की हार हुई। अमेरिका ने म्यांमार पर नए प्रतिबन्ध लगाये।

**जन्म**

1921 - सत्यजीत रे - ऑस्कर पुरस्कार सम्मानित फ़िल्म निर्माता, निर्देशक और लेखक थे।
1922 - विल्सन जोन्स - भारत के पेशेवर बिलियर्ड्स खिलाड़ी थे।
1929 - विष्णु कांत शास्त्री - भारतीय राजनीतिज्ञ एवं साहित्यकार थे।
1929 - जिग्मे दोरजी वांग्चुक - भूटान के तीसरे राजा थे।

**निधन**

1519 - लिओनार्दो दा विंची - इटलीवासी, महान चित्रकार।
1975 - पद्मजा नायडू - प्रसिद्ध भारतीय राजनीतिज्ञ श्रीमती सरोजिनी नायडू की पुत्री।
1981 - यशवंत सिंह परमार - भारत के राजनेता और एक स्वतंत्रता-संग्राम सेनानी थे।

# आखिर किस दिशा में जा रहे हैं हम और हमारा समाज?

**सुनील कुमार महला**

एक समय था जब इस धरती पर इंसानियत केवल एक शब्द नहीं, बल्कि जीवन का आधार हुआ करती थी। दुख में कंधा देने वाले लोग होते थे, व्यवस्था में संवेदनशीलता होती थी और नियमों के पीछे इंसान की पीड़ा को समझने की क्षमता भी। हालांकि, ऐसा भी नहीं है कि आज के समय में इंसानियत/मानवता पूरी तरह से खत्म हो गई है। आज भी इंसानियत जिंदा है और इसके बहुत से उदाहरण हमें आए दिन देखने को मिलते हैं।सरल शब्दों में कहें तो आज भी इंसानियत पूरी तरह खत्म नहीं हुई है, लेकिन कुछ घटनाएँ ऐसी होती हैं जो हमें यह एहसास कराती हैं कि इंसानियत/मानवता समय के साथ अब हाशिए पर खड़ी है-कमज़ोर, घायल और लगभग दम तोड़ती हुई।

दरअसल, हाल ही में ओडिशा के क्योंझर ज़िले से आई एक घटना ने पूरे समाज को भीतर तक झकझोर कर रख दिया। वास्तव में, यह कोई सामान्य खबर नहीं थी, बल्कि यह हमारे सिस्टम, हमारी संवेदनाओं और हमारे विकास के दावों पर एक करारा तमाचा थी।

ओडिशा के दियानाली गाँव का आदिवासी युवक जीतू मुंडा-जिसके पास पहले ही जीवन में बहुत कुछ नहीं था-अब अपनी बहन को भी खो चुका था। उसकी बहन कालरा मुंडा, जिसने बड़ी मुश्किल से मवेशी बेचकर 19,300 रुपए जमा किए थे, कुछ समय पहले



इस दुनिया में नहीं रही। उस गरीब परिवार के लिए वही जमा राशि अब जीवन की आखिरी उम्मीद थी।लेकिन उम्मीद और हकीकत के बीच खड़ी थी-एक निर्दयी व्यवस्था।एक ऐसा सिस्टम जो सिर्फ और सिर्फ कागजों का खेल खेलना जानता है।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार आदिवासी जीतू कई बार बैंक गया। उसने बैंक के बहुत चक्कर काटे, लेकिन हर बार उसने अपनी मजबूरी बताई, हर बार उसने बैंक कर्मचारियों/अधिकारियों से अपनी जमा धनराशि लौटाने की विनती की, हर बार उसने अपनी सच्चाई समझाने की कोशिश की। लेकिन हर बार उसे मिला-कागजों का पहाड़, नियमों की दीवार और संवेदनहीन जवाब-खाताधारक को लेकर आओ३ बहन का मृत्यु प्रमाण-पत्र लाओ३

यहाँ सवाल यह नहीं था कि नियम गलत थे। यह ठीक है कि नियम अपनी जगह नियम हैं,नियम होने भी चाहिए, व्यवस्था को सही तरीके से चलाने के लिए। लेकिन यहां सवाल यह था कि क्या उन नियमों के पीछे बैठा इंसान पूरी तरह गायब हो चुका था? एक अशिक्षित, गरीब आदिवासी युवक से यह उम्मीद करना कि वह तुरंत मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाकर लाएगा-क्या यह जमीनी सच्चाई से आंखें मूंद लेना नहीं है? क्या यह उस भारत की तस्वीर है, जहां हर नागरिक को समान अवसर और सहारा मिलने की बात कही जाती है ? जीतू के लिए जब हर दरवाज़ा बंद हो गया, जब उसकी हर उम्मीद टूट गई, तब जीतू ने वह किया जिसकी कल्पना मात्र से रूह कांप उठती है। मीडिया में उपलब्ध जानकारी के अनुसार उसने अपनी बहन की कब्र खोदी, कब्र से उसका कंकाल निकाला, उसे अपने कंधे पर रखा और लगभग तीन किलोमीटर पैदल चलकर बैंक पहुंच गया-सिर्फ यह साबित करने के लिए कि उसकी बहन सचमुच मर चुकी है। ज़रा सोचिए, उस रास्ते पर चलते हुए उसके मन में क्या चल रहा होगा ? उसके मन-मस्तिष्क पर क्या बीत रही होगी? क्या वह सिस्टम को नहीं कोस रहा होगा ? आज फर्जी कागजात से लोग न जाने क्या क्या कर लेते हैं, आए दिन हम फ्रोड की खबरें पढ़ते रहते हैं। सवाल यह भी उठता है कि सिस्टम को चलाने के लिए क्या सिर्फ और सिर्फ कागजों का पेट भरना ही अनिवार्य है ? सवाल यह भी उठता है कि वह दर्द, वह अपमान, वह बेबसी-क्या कोई नियम, कोई प्रक्रिया उसे समझ सकती है?

आदिवासी जीतू द्वारा अपनी बहन का कंकाल कंधे पर बैंक में लाने के बाद बैंक में अफरा-तफरी मच गई, पुलिस बुला ली गई, और बाद में मदद का आश्वासन भी दे दिया गया, लेकिन क्या यह पहले संभव नहीं हो सकता था ? जीतू से उसकी समस्या को क्या पहले नहीं पूछा जाना चाहिए था ? या उसकी समस्या को लेकर क्या उसकी सहायता पहले ही नहीं की जानी चाहिए थी ? बाद में ही सिस्टम के हाथ-पैर क्यों फूले ? सवाल यह भी है कि क्या बैंक द्वारा यह मदद(मदद का आश्वासन) उस अपमान, उस मानसिक आघात और उस अमानवीय स्थिति की भरपाई कर सकती है, जिससे होकर जीतू गुजरा?

आज हम गर्व से कहते हैं कि हम डिजिटल इंडिया बना रहे हैं, एआई के युग में जी रहे हैं, और दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हैं। वर्ष 2047 तक विकसित भारत का सपना साकार करेंगे,लेकिन क्या यह विकास उस व्यक्ति विशेष तक पहुंचा है, जिसे अपने हक के 19,300 रुपए पाने के लिए अपनी बहन का कंकाल उठाकर चलना पड़ा ?

कहना ग़लत नहीं होगा कि ओडिशा से आई यह घटना केवल एक व्यक्ति विशेष की नहीं है। दरअसल, यह उस खाई की कहानी है, जो भारत और इंडिया के बीच दिन-ब-दिन गहरी होती जा रही है। वास्तव में सच तो यह है कि यह घटना हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि समस्या सिर्फ भ्रष्टाचार या नियमों की जटिलता की नहीं है, बल्कि उस सोच की है, जहां सिस्टम इंसान के लिए नहीं, बल्कि इंसान सिस्टम के लिए बन गया है।जरूरत है ऐसे बदलाव की, जहां नियमों के साथ मानवीय विवेक भी हो, प्रक्रियाओं के साथ संवेदनशीलता भी हो और सबसे बढ़कर, हर अधिकारी के भीतर इंसान या इंसानियत जिंदा हो, क्योंकि जब एक गरीब आदिवासी व्यक्ति को अपनी सच्चाई साबित करने के लिए कब्र खोदनी पड़े, तो समझ लीजिए कि सिर्फ एक इंसान नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था कहीं न कहीं मर चुकी है, जहां संवेदशीलता है ही नहीं। और अगर अब भी हम नहीं चेते, तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें एक ऐसे समाज के रूप में याद करेंगी-जहां इंसानियत कागज़ों में दफन होकर रह गई थी।नियम अपने स्थान पर ठीक हैं, लेकिन प्रक्रियाएं कभी भी इंसान और इंसानियत पर भारी नहीं पड़नी चाहिए। विकास के दावों के बीच आम आदमी पीछे नहीं छूटना चाहिए। आज हमें यह सोचने की जरूरत है कि हमारा समाज और हम स्वयं किस दिशा में जा रहे हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 संपादक - आदित्य वशिष्ठ कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

## महाराष्ट्र स्थापना दिवस पर सीएम को प्रधानमंत्री का पत्र

# विकसित भारत से मेल खाता है विकसित महाराष्ट्र विजन

**नई दिल्ली**। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाराष्ट्र स्थापना दिवस पर शुक्रवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को लिखे पत्र में कहा कि राज्य सरकार आर्थिक विकास को मजबूत करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है और 'विकसित महाराष्ट्र' का विजन वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के साझा लक्ष्य के साथ सामंजस्य रखता है।

प्रधानमंत्री ने तीन पृष्ठों के विस्तृत पत्र में महाराष्ट्र की प्रगति, सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्र निर्माण में उसके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सामाजिक सुधार, आध्यात्मिक चेतना और औद्योगिक विकास का मजबूत केंद्र रहा है, जिसने देश को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर, लोकमान्य तिलक और वीर सावरकर जैसे महान नेताओं के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके विचार आज भी देश को प्रेरित कर रहे हैं। संत परंपरा और वारकरी आंदोलन ने समाज में समानता और भक्ति की भावना को मजबूत किया है। प्रधानमंत्री ने वर्ष 2026 को महाराष्ट्र के लिए विशेष बताया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती, महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती, संत गाडगे बाबा की 150वीं जयंती, महाड के चवदार तालाब सत्याग्रह के 100 वर्ष, डॉ. भीमराव आंबेडकर से जुड़े महत्वपूर्ण स्मरण तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष जैसे ऐतिहासिक अवसर मनाए जा रहे हैं।

इन आयोजनों से सामाजिक न्याय, महिला सशक्तिकरण, आध्यात्मिक जागरूकता और सांस्कृतिक अस्मिता को बल मिलेगा। पत्र में प्रधानमंत्री ने मराठी भाषा को 2024 में शास्त्रीय भाषा का दर्जा मिलने को गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। साथ ही उन्होंने महाराष्ट्र के किलों को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किए जाने का उल्लेख करते हुए इसे राज्य के शौर्य और इतिहास की वैश्विक पहचान बताया। आर्थिक मोर्चे पर प्रधानमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र निवेश, उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचे के विकास में अग्रणी है।

उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा महाराष्ट्र को मिल रहे सहयोग का भी उल्लेख किया। केंद्र सरकार द्वारा राज्य में रेलवे, मेट्रो, हवाई अड्डे और बंदरगाह जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स को गति दी जा रही है, जिनमें 2025-26 के लिए रेलवे परियोजनाओं हेतु 24,000 करोड़ रुपये का प्रावधान शामिल है। उन्होंने गढ़चिरौली, अमरावती, धुले और नंदुरबार जैसे क्षेत्रों में विकास की तेज रफ्तार का उल्लेख करते हुए कहा कि ये क्षेत्र अब निवेश और रोजगार के नए केंद्र बन रहे हैं। प्रधानमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने 2029, 2035 (महाराष्ट्र के अमृत महोत्सव) और 2047 को ध्यान में रखते हुए दीर्घकालिक विकास की रूपरेखा तैयार की है, जो 'विकसित भारत' के राष्ट्रीय लक्ष्य के साथ समन्वय में है।

प्रधानमंत्री ने मराठवाड़ा सहित जल संकट वाले क्षेत्रों में किए जा रहे प्रयासों और सहकारिता मॉडल की भी सराहना की। साथ ही नासिक और त्र्यंबकेश्वर में आगामी कुंभ मेले की तैयारियों के लिए राज्य सरकार को शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने छत्रपति शिवाजी महाराज और राजमाता जीजाबाई के आशीर्वाद का स्मरण करते हुए 'जय महाराष्ट्र' के साथ अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं। प्रधानमंत्री ने इस वर्ष महाराष्ट्र में हुई कुछ दुखद घटनाओं का जिक्र करते हुए वरिष्ठ नेता अजित पवार के निधन पर शोक व्यक्त किया और उनके योगदान को याद किया।

## राष्ट्रपति ने शिमला में सेना के जवानों को दिए जाने वाले प्रशिक्षण की जानकारी ली

### आर्मी ट्रेनिंग कमांड मुख्यालय में जवानों से जोश के साथ काम करते रहने की अपील

**नई दिल्ली**। हिमाचल दौरे पर गईं भारतीय सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को शिमला में आर्मी ट्रेनिंग कमांड मुख्यालय का दौरा किया। उन्हें यहां भारतीय सेना के जवानों को दिए जाने वाले प्रशिक्षण की गुणवत्ता के बारे में ट्रेनिंग कमांड की शानदार भूमिका के बारे में जानकारी दी गई।

ट्रेनिंग कमांड के जीओसी-इन-सी लेफ्टिनेंट जनरल देवेंद्र शर्मा ने राष्ट्रपति को यहां के विकास, परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए भारतीय सेना के जवानों को दी जाने वाली ट्रेनिंग के बारे में बताया। आर्मी ट्रेनिंग कमांड की नई पहलों के बारे में बताते हुए लेफ्टिनेंट जनरल देवेंद्र शर्मा ने ड्रोन ट्रेनिंग को बढ़ावा देने, खास तकनीक को अपनाने के लिए उठाए गए कदमों, 'रेड टीमिंग' के कॉन्सेप्ट की शुरुआत और भारतीय सेना में डिजिटलाइजेशन और ऑटोमेशन की दिशा में की गई पहलों के बारे में बताया। राष्ट्रपति ने माना कि ट्रेनिंग कमांड की युद्ध की अवधारणा को डिजाइन करने, भारतीय सेना के लिए संसाधन विकास और मित्र देशों के साथ बड़े पैमाने पर जुड़ाव में एक अहम भूमिका है।

यह सैन्य गौरव, आत्मनिर्भरता और विकसित भारत के रास्ते में जरूरी पहल है। सेना का यह ट्रेनिंग कमांड अपने 32 सबसे अच्छे ट्रेनिंग सेंटर्स के जरिए भारतीय सेना में व्यावसायिकता के क्षेत्र को मजबूत करता है, जो इसे युद्ध लड़ने की कला और विज्ञान में एक अनोखा नजरिया देता है। राष्ट्रपति ने देश को सुरक्षित और मजबूत बनाने के लिए भारतीय सेना में ट्रेनिंग पर हिमाचल प्रदेश के गवर्नर कविंदर गुप्ता की मौजूदगी में लेफ्टिनेंट जनरल देवेंद्र शर्मा के साथ विचारों का आदान-प्रदान भी किया।

राष्ट्रपति ने कमांड से भारतीय सेना की ऑपरेशनल तैयारियों को बढ़ाने के लिए जोश के साथ काम करते रहने की अपील की। उन्होंने कमांड के सभी रैंक और रक्षा नागरिक को उनके शानदार काम के लिए बधाई दी और उनसे ज्यादा जोश और उत्साह के साथ काम करते रहने की अपील की।

## पुलिस ने मां-बेटी को सूटकेस में गौमांस के साथ किया गिरफ्तार

**बिलासपुर**। छत्तीसगढ़ की बिलासपुर पुलिस ने रायपुर की ओर से बिलासपुर रेलवे स्टेशन पहुंची आज दो महिलाओं को सूटकेस में गौमांस ले जाने के संदेह में पकड़ा। दोनों महिला जिसमें एक महिला और दूसरी उसकी बेटी है। वे अपने साथ सूटकेस में लगभग 10 किलो से अधिक कथित तौर पर गौमांस भरकर ला रही थीं।

उन दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपितों ने सूटकेस में गौमांस होने की बात स्वीकार की है। बिलासपुर पुलिस ने आधिकारिक तौर पर दोनों आरोपित महिलाओं के नाम और जानकारी मीडिया के साथ साझा की है।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार उनके नाम रेहाना परवीन (लगभग 47) और अलीना खान (20 वर्ष) है। ये दोनों आपस में माँ-बेटी बताई गई हैं। पुलिस के अनुसार रेलवे स्टेशन के पास गश्त के दौरान ये दोनों महिलाएं भारी ट्रॉली बैग के साथ काफी घबराई हुई दिख रही थीं। पुलिस को देखकर उन्होंने अपना रास्ता बदलने की कोशिश की, जिससे संदेह गहरा गया।

## मोहन यादव ने बरगी डैम हादसे की जांच के दिए निर्देश, हादसे में लोगों को बचाने वाले होंगे सम्मानित

### मुख्यमंत्री ने बरगी क्रूज दुर्घटना पर किया दुःख व्यक्त

**भोपाल**। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जबलपुर के बरगी डैम हादसे की जांच के निर्देश देने के साथ ही हादसे में लोगों को बचाने वालों को सम्मानित करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि मौसमी चक्रवात के कारण यह दुःखद घटना हुई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इसकी सूचना मिलते ही लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, संस्कृति एवं पर्यटन राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी, प्रमुख सचिव श्री संजय दुबे, एडीजी, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ सहित स्थानीय प्रशासन के अधिकारी राहत और बचाव कार्य में पूरी तत्परता के साथ जुट गए। हमारे राहत और बचाव दल ने लगभग 29 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला है, रेस्क्यू जारी है, अब तक 9 शव बरगी डैम से बाहर निकाले गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को मीडिया प्रतिनिधियों से लोक भवन के बाहर बातचीत में यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि क्रूज दुर्घटना अत्यंत दुःखद है, राज्य सरकार ने हादसे की जांच के निर्देश दिए हैं। ऐसी दुर्घटना से मन दुःखी है। सभी नागरिकों को बोटिंग के दौरान लाइफ सेविंग जैकेट अवश्य पहननी चाहिए, जिन्होंने लाइफ जैकेट का इस्तेमाल किया, वे सुरक्षित रहे। भविष्य में इस प्रकार के हादसे न हो, इसके लिए पर्यटन विभाग जांच कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि हादसे में जान गंवाने वालों के परिजन के प्रति हमारी पूरी संवेदनाएं हैं। उन्होंने कहा कि रेस्क्यू टीम ने बहादुरी के साथ अपनी जान की परवाह किए बगैर कई लोगों को सुरक्षित बचाया है।

जिन व्यक्तियों ने तत्परता के साथ राहत और बचाव कार्य में हिस्सा लिया, उन सभी बहादुर नागरिकों को स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त पर सम्मानित किया जाएगा। गौरतलब है कि गुरुवार शाम को अचानक मौसम बिगड़ा और तेज आंधी-तूफान शुरू हो गया। इसी दौरान जबलपुर के बरगी डैम में पर्यटकों से भरा एक क्रूज खमरिया टापू के पास संतुलन बिगड़ने से डूब गया। घटना में शुक्रवार सुबह तक नौ मिले हैं, जबकि 29 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। प्रशासन के मुताबिक नौ से ज्यादा लोग अभी भी लापता हैं, जिनकी तलाश जारी है।

## पवन खेड़ा मामले में सिंघवी की टिप्पणी को लेकर सीएम डॉ. सरमा ने किया पलटवार

**गुवाहाटी**। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को उच्चतम न्यायालय से मिली अग्रिम जमानत पर कांग्रेस प्रवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी की टिप्पणी पर असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने शुक्रवार को पलटवार किया है।

उन्होंने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पर तीखा हमला बोला। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर डॉ. सरमा ने सिंघवी पर सीधे बहस से बचने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एक ऐसी महिला को निशाना बनाया गया जिसका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं था, और ₹जाली दस्तावेज़ों₹ का इस्तेमाल करके राष्ट्रीय टेलीविजन पर उसके चरित्र को बदनाम किया गया। उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि अदालतें इस मामले का संज्ञान लेंगी और जो लोग इसके लिए जिम्मेदार हैं, उन्हें सजा जरूर मिलेगी। मुख्यमंत्री का पलटवार तब सामने आया है जब सिंघवी ने मुख्यमंत्री से इस मामले में अपने रुख पर फिर से विचार करने का आग्रह किया। उन्होंने इसके लिए भारत के उच्चतम न्यायालय की टिप्पणियों का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि इस मामले से जुड़े कई सार्वजनिक बयान 'बेहद अनुचित' थे और उन्होंने लोकतांत्रिक मानकों को गिराया है। सिंघवी ने यह भी बताया कि पवन खेड़ा के खिलाफ लगाए गए ज़्यादातर आरोप जमानती थे।

## ब्रिक्स महिला कार्य समूह की तैयारी बैठक में महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास पर जोर

**नई दिल्ली**। आगामी जुलाई में होने जा रहे भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत महिला कार्य समूह की बैठक की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने पहली बैठक की। इसमें महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास पर जोर दिया गया।

ब्रिक्स महिला कार्य समूह की पहली तैयारी बैठक वर्चुअल माध्यम से आयोजित की। बैठक में ब्रिक्स देशों के प्रतिनिधियों के साथ भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के प्रमुख अधिकारियों ने भाग लिया। यूएन वूमेन और फिक्की जैसे साझेदार भी इसमें शामिल रहे। बैठक की अध्यक्षता मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव कैरालिन खोंगवार देशमुख ने की।

उन्होंने सभी प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए चर्चा की रूपरेखा प्रस्तुत की। मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता की थीम 'लचीलापन, नवाचार, सहयोग और सततता के लिए निर्माण' के अनुरूप बैठक में महिलाओं से जुड़े वैश्विक मुद्दों पर गहन चर्चा हुई। चार प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया- शासन और नेतृत्व में महिलाओं की भागीदारी, वित्तीय एवं डिजिटल समावेशन, महिला उद्यमिता एवं कौशल विकास तथा जलवायु कार्रवाई, खाद्य सुरक्षा और पोषण में महिलाओं की भूमिका।

## रांची के 7 वर्ष के इशांग ने श्रीलंका से धनुषकोडी तक तैरकर बनाया विश्व रिकॉर्ड

**रामनाथपुरम**। झारखंड के 7 साल के एक बच्चे ने समुद्र की लहरों पर तैरकर दुनिया के सबसे कम उम्र और सबसे तेज तैराक होने का दोहरा रिकॉर्ड बनाया है। बच्चे ने श्रीलंका के तलाईमन्नार से तैरना शुरू कर भारत के धनुषकोडी तक की दूरी केवल 9 घंटे 50 मिनट में पूरी की है।

विश्व रिकॉर्ड बनाने के साथ ही असाधारण उपलब्धि हासिल करने वाले बच्चे का नाम इशांग है। यह झारखंड राज्य के रांची निवासी है। सात वर्षीय इशांग ने 30 अप्रैल की

सुबह लगभग 4 बजे श्रीलंका के तलाईमन्नार से तैरना शुरू किया और दोपहर 1 बजकर 50 मिनट पर रामनाथपुरम जिले के धनुषकोडी पहुंच गया। समुद्र की तेज धाराओं और ऊंची लहरों का सामना करते हुए इशांग ने 29 किलोमीटर की दूरी केवल 9 घंटे 50 मिनट में पूरी की। इशांग ने यह तैराकी यात्रा टीएसयूएसए (ट्रैवल साउथ यूएसए) संस्था के आधिकारिक पर्यवेक्षक डॉ. एम. विजयकुमार की उपस्थिति में पूरी हुई।

अपने लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल कर इशांग ने दुनिया के सबसे कम उम्र और सबसे तेज तैराक होने का दोहरा रिकॉर्ड बनाया है। उसकी इस उपलब्धि को यूनिवर्सल रिकॉर्ड्स फोरम (यूआरएफ) संस्था ने मान्यता देते हुए प्रमाणपत्र सौंपा किया है। इतनी कम उम्र में विश्व रिकॉर्ड बनाकर इशांग कई लोगों के लिए प्रेरणा बन गए हैं।

इस छोटे बच्चे के आत्मविश्वास और उपलब्धि की हर कोई जमकर सराहना कर रहा है। रांची के एक स्कूल में दूसरी कक्षा में पढ़ने वाले इशांग बचपन से ही तैराकी प्रशिक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। अपनी उपलब्धि पर इशांग का कहना है कि थेनी स्थित ओपन वॉटर स्विमिंग अकादमी में मिली ट्रेनिंग ही उनकी इस उपलब्धि का मुख्य कारण है।

## केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ओडिशा को दी PMGSY-IV के तहत 1,700 करोड़ रु. से 827 नई सड़कों की सौगात

**भुवनेश्वर**। ओडिशा के रायगड़ा में आज आयोजित प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई-4) के शुभारंभ समारोह में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के साथ मिलकर सड़क, आवास, सिंचाई, रोजगार, पेयजल, महिला सशक्तिकरण और किसान समृद्धि से जुड़े अनेक सौगातें दीं।

केंद्रीय मंत्री चौहान ने मंच पर ही पीएमजीएसवाई- 4का स्वीकृति-पत्र मुख्यमंत्री को सौंपा, विभिन्न परियोजनाओं का शुभारंभ/शिलान्यास हुआ और हितग्राहियों को सहायता प्रदान की गई। रायगड़ा के बरिजोला में आयोजित इस भव्य समारोह में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ओडिशा, विशेषकर रायगड़ा की सांस्कृतिक गरिमा, प्राकृतिक सौंदर्य और परिश्रमी जनता की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि वे आज खाली हाथ नहीं आए बल्कि ओडिशा के लिए विकास की ठोस सौगातें लेकर आए हैं, जिनका सीधा लाभ गाँव, गरीब, किसान, मजदूर, महिलाओं और युवाओं तक पहुँचेगा। चौहान ने कहा कि सड़कें केवल आवागमन का माध्यम नहीं बल्कि जिंदगी, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और समग्र प्रगति की जीवनरेखा हैं। इसी सोच के अनुरूप प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-IV के प्रथम चरण में ओडिशा के लिए 1,698.04 करोड़ रुपये की लागत से 1701.84 किलोमीटर लंबाई की 827 नई सड़कों की सौगात दी गई है। साथ ही, पूर्व स्वीकृत लेकिन अपूर्ण कार्यों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त राशि भी उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि कोई भी दूरस्थ क्षेत्र विकास की मुख्यधारा से वंचित न रहे।

केंद्रीय मंत्री चौहान ने पीएमजीएसवाई- 4का स्वीकृति-पत्र मुख्यमंत्री माझी को मंच पर सौंपा।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने आवास और आजीविका पर विशेष बल देते हुए कहा कि ओडिशा में कोई भी गरीब परिवार कच्चे मकान में नहीं रहेगा और हर पात्र परिवार को पक्का घर उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि PMAY-G के अंतर्गत लंबित आवासों को पूरा करने के लिए 630.61 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। मजदूर दिवस के अवसर पर उन्होंने मनरेगा के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम किश्त के रूप में 868.71 करोड़ रुपये का आवंटन किया। शिवराज सिंह चौहान ने महिलाओं, किसानों और युवाओं को विकास के केंद्र में रखते हुए कहा कि गरीब बहनों को सम्मानपूर्ण जीवन, स्वावलंबन और आर्थिक सशक्तिकरण देना सरकार का संकल्प है।

उन्होंने लखपति दीदी अभियान, स्वयं सहायता समूहों की उन्नति, ग्रामीण आजीविका, स्वरोजगार प्रशिक्षण, कृषि में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, एकीकृत खेती, पशुपालन, मत्स्यपालन, बकरीपालन, मधुमक्खी पालन और वृक्षारोपण आधारित आय-वृद्धि के उपायों पर जोर दिया।

उन्होंने यह भी कहा कि ओडिशा में प्रगतिशील खेती, बेहतर बीज, सीड विलेज, भंडारण क्षमता और एग्रीकल्चर इंफ्रा फंड के माध्यम से गोदाम निर्माण जैसे कदम किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान का स्वागत करते हुए कहा कि इतनी सौगात ओडिशा के प्रति केंद्र सरकार के विशेष स्नेह और प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की परिकल्पना पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने की थी और आज उसी विजन को आगे बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ग्रामीण भारत की दशा और दिशा बदलने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने पीएमजीएसवाई- 4को विशेष रूप से दुर्गम, पहाड़ी, दूरस्थ और अब तक संपर्क से वंचित क्षेत्रों को जोड़ने वाला परिवर्तनकारी कदम बताया। मुख्यमंत्री माझी ने कहा कि राज्य सरकार "समृद्ध ओडिशा, विकसित ओडिशा" के संकल्प के साथ सड़क, पुल, पेयजल, बिजली, ग्रामीण आधारभूत ढाँचा, किसानों की आय, महिलाओं के सशक्तिकरण और युवाओं के रोजगार पर मिशन मोड में कार्य कर रही है।

उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि रायगड़ा सहित राज्य के अनेक जिलों में सड़क और आधारभूत संरचना परियोजनाएँ ग्रामीण जीवन को नई दिशा देंगी। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह और मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के हाथों हितग्राहियों का सम्मान और सहायता राशि का वितरण भी हुआ। इस अवसर पर राज्य के ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज व पेयजल मंत्री रबी नारायण नायक ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि एवं गणमान्यजन तथा बड़ी संख्या में महिलाओं सहित क्षेत्र के लोग उपस्थित थे।

## आरबीआई के पास 2,000 रुपये के 98.47 प्रतिशत नोट वापस आए

**मुंबई**। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को कहा कि चलन में रहे 2,000 रुपये मूल्य के 98.47 प्रतिशत बैंक नोट अब तक वापस आ चुके हैं। केंद्रीय बैंक ने 19 मई, 2023 को 2,000 रुपये के नोटों को चलन से वापस लेने की घोषणा की थी।

आरबीआई के अनुसार, 19 मई, 2023 को जब यह घोषणा की गई थी, उस समय चलन में इन नोटों का कुल मूल्य 3.56 लाख करोड़ रुपये था, जो 30 अप्रैल, 2026 को घटकर 5,451 करोड़ रुपये रह गया है। केंद्रीय बैंक ने एक बयान में कहा, "इस प्रकार 19 मई, 2023 तक चलन में रहे 2,000 रुपये के 98.47 प्रतिशत नोट वापस आ चुके हैं।" बैंक ने कहा कि 19 मई, 2023 से उसके 19 निर्गम कार्यालयों में 2,000 रुपये के नोट बदलने की सुविधा उपलब्ध है। नौ अक्टूबर, 2023 से इन कार्यालयों में व्यक्ति और संस्थाएं अपने बैंक खातों में जमा के लिए भी ये नोट दे सकते हैं। केंद्रीय बैंक ने स्पष्ट किया कि 2,000 रुपये के बैंक नोट अभी भी वैध मुद्रा बने हुए हैं।

### मुख्यमंत्री ने लखनऊ में आयोजित 'श्रमवीर गौरव समारोह-2026' को संबोधित किया

# श्रमिक नए भारत के 'शिल्पकार' हैं: योगी

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को मजदूर दिवस पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ''नए भारत'' के दृष्टिकोण में श्रमिक ₹शिल्पकार₹ हैं। मुख्यमंत्री ने श्रमिकों के उत्थान के लिए उठाए गए विभिन्न कल्याणकारी उपायों को रेखांकित किया।

'श्रमवीर गौरव समारोह-2026' की शुरुआत के अवसर पर लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, आदित्यनाथ ने कहा कि श्रमिक विषम परिस्थितियों में भी अथक परिश्रम करते हैं और उनका योगदान राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एक बयान के मुताबिक उन्होंने कहा, ''हमारा श्रमिक गर्मी, बरसात, लू कुछ किसी भी परिस्थिति में काम करता है और वह न रुकता है, न थकता है, न डिगता है। आपके पसीने की एक एक बूंद जब इस धरती पर पड़ती है, तो यह धरती माता सोना उगलने का काम भी करती हैं।''

मुख्यमंत्री ने कहा, ''श्रमिक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नए भारत के दृष्टिकोण के निर्माता हैं।'' उन्होंने कहा कि पहले यह एक ''विरोधाभास'' था कि दूसरों के लिए घर बनाने वाले मजदूरों के पास अपना घर नहीं था। योगी आदित्यनाथ ने कहा, ''जिन्होंने दूसरों के लिए घर और शौचालय बनाए, उनके पास अक्सर ऐसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव था।'' उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में सरकारों ने इन मुद्दों के समाधान के लिए काम किया है। कल्याणकारी योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए, आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में, पिछले 12 वर्षों में देश भर में लगभग चार करोड़ घर उपलब्ध कराए गए हैं, जिनमें उत्तर प्रदेश में 65 लाख शामिल हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में लगभग

16 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, ''गरीबों को मिलने वाला राशन पहले लोग चट कर जाते थे।'' कोविड-19 महामारी का जिक्र करते हुए, मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों की आलोचना की और आरोप लगाया कि वे संकट के दौरान अनुपस्थित थे, जबकि ''डबल इंजन सरकार'' ने राज्य में लौटने वाले प्रवासी श्रमिकों की सहायता सुनिश्चित की। उन्होंने कहा,''याद करिए इस सदी की सबसे बड़ी त्रासदी आई थी, कोरोना कालखंड में,ये जितने विपक्षी नेता हैं ना, ये सब रजाई तान करके सब अपने-अपने घरों में छुप गए थे, कोई दिखाई नहीं देता था।

जब उत्तर प्रदेश का कामगार और श्रमिक अन्य राज्यों को छोड़ करके प्रदेश में वापस आ रहा था, तब न कांग्रेस थी न सपा थी न बसपा थी न कोई और दल था,तब केवल और केवल 'डबल इंजन' सरकार थी, मोदी जी थे और उत्तर प्रदेश में हमारी सरकार, हमारे अधिकारी व कर्मचारी उनकी सहायता के लिए कार्य कर रहे थे।'' योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में राज्य में रोजगार के अवसर काफी बढ़े हैं, लगभग तीन करोड़ लोगों को एमएसएमई क्षेत्र में काम मिला है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में उद्योगों की संख्या 2017 से पहले लगभग 14,000 थी जो अब बढ़कर 32,000 से अधिक हो गई है, जिससे 65 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने श्रम और सेवायोजन विभाग से कहा है कि नए 'वेज बोर्ड' गठित करिए...। और कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिकों को सालाना 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा लाभ प्रदान करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रस्तावित पहल से राज्य के लगभग पांच करोड़ लोगों को दायरे में लाने और लगभग एक करोड़ श्रमिक परिवारों को लाभान्वित करने का प्रयास है। योगी आदित्यनाथ ने रेखांकित किया कि एक संवेदनशील सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है कि श्रमिक शासन में प्राथमिकता बनें और उन्हें उचित सम्मान और कल्याण सहायता मिले।

## सीएम ने बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों को दी राहत

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश सरकार ने तूफान, आग, ओलावृष्टि और अत्यधिक वर्षा सहित हाल की प्रतिकूल मौसम स्थितियों से प्रभावित किसानों को मुआवजा देने की प्रक्रिया तेज कर दी है। एक बयान के मुताबिक उत्तर प्रदेश में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से काफी किसानों को नुकसान पहुंचा है। बुधवार से ही उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में रुक-रुककर बारिश हो रही है, इससे किसानों की फसलों के साथ अन्य को भी नुकसान पहुंचा है। बयान में कहा गया कि उन्हें राहत पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीड़ितों को मुआवजा दिलाने का निर्देश दिया है। उप्र में हो रही असमय बारिश और ओलावृष्टि को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट निर्देश दिया है। बयान के मुताबिक जनहानि, पशुहानि, घायलों और आपदा से प्रभावितों लोगों और किसानों को मुआवजा दिलाने का अधिकारियों को निर्देश दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि मुआवजा दिलाने के मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने तत्काल पर प्रभाव से अधिकारियों को अलर्ट मोड पर रहने का निर्देश दिया।

## महिला की गला रेतकर हत्या, पुलिस ने जांच शुरू की

**मेरठ।** लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह 27 वर्षीय एक महिला की गला रेतकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, महिला का शव उसके घर में फर्श पर पड़ा मिला। घटना का खुलासा तब हुआ जब मृतका की दो बेटियां सुबह करीब आठ बजे मकान मालिक के पास पहुंचीं और अपने पिता से बात कराने को कहा।

मकान मालिक द्वारा फोन मिलाने के बाद दोनों बच्चियां दूसरी मंजिल पर चली गईं। कुछ देर बाद उनके रोने की आवाज सुनकर मकान मालिक की पत्नी ऊपर पहुंचीं, जहां उन्होंने महिला को खून से लथपथ हालत में पड़ा देखा और शोर मचाया। पुलिस ने बताया कि घटना के समय महिला का पति साकिब (30) ई-रिक्शा लेकर मंडी गया हुआ था। सूचना मिलने पर वह भी मौके पर पहुंचा। मृतका की पहचान कौसर के रूप में हुई है, जो गाजियाबाद के लोनी की रहने वाली थी। उसकी शादी करीब सात साल पहले साकिब से हुई थी।

दंपति की दो बेटियां हैं, जिनमें बड़ी बेटी छह साल की है। सूचना मिलने पर पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस अधीक्षक नगर विनायक गोपाल भोसले ने बताया कि प्रथम दृष्टया घर में जबरन प्रवेश के कोई निशान नहीं मिले हैं, जिससे आशंका है कि वारदात में किसी परिचित का हाथ हो सकता है। पुलिस ने बताया कि परिजनों से पूछताछ की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

## डर के आगे जीत है, जीवन में रिस्क तो लेना होगा : ब्रजेश पाठक

**लखनऊ।** उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि युवाओं के लिए हमारी सरकार हमेशा तैयार है। केंद्र व राज्य सरकार द्वारा युवाओं के लिए रोगजार के अलावा कई कल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। डर से आगे जीत है। जीवन में आगे बढ़ना है तो रिस्क तो लेना होगा।

उपमुख्यमंत्री शुक्रवार को विधानसभा में आयोजित राज्य स्तरीय विकसित भारत युवा संसद-2026 के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। एक से तीन मई तक तीन दिवसीय युवा संसद में प्रदेश के 75 जिलों के लगभग 375 युवा प्रतिभागियों द्वारा केंद्रीय बजट-2026 और विकसित भारत-2047 के विजन पर अपने विचार साझा किए जाएंगे। उपमुख्यमंत्रीने कहा कि युवाओं को रिस्क लेने की क्षमता रखनी होगा। सिर्फ नौकरी के भरोसे काम नहीं चलेगा। अगर आगे बढ़ना है तो अपने मन के डर को खत्म करना होगा। उन्होंने कहा कि जीवन में जिन लोगों ने अपना रास्ता बनाया, हमेशा ही नाम कमाया। उन्होंने माउंटेन मैन दशरथ मांझी का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने पहाड़ को काट कर रास्ता बना दिया था। लोग हमेशा उन्हें याद रखेंगे। उन्होंने कहा कि हमें इस प्रतियोगी दौर में खुद को साबित करना है। अगर बड़ा बनना है तो बड़ी सोच के साथ आगे बढ़ना होगा। कुछ ऐसा करना होगा कि दुनिया हमेशा हमें याद रखे।

ब्रजेश पाठक ने जानकारी दी कि युवा संसद का मुख्य उद्देश्य युवा प्रतिभाओं को पहचानना और उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के निर्माण में शामिल कर विकसित, उन्नत और दुनिया के नक्शे पर नंबर एक राष्ट्र के रूप में स्थापित करना है।

## राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग वाली याचिका

**प्रयागराज।** इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को शुक्रवार को राहत देते हुए उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश देने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। सिमरन गुप्ता नाम की एक महिला द्वारा दायर इस याचिका पर न्यायमूर्ति विक्रम डी. चौहान ने यह आदेश पारित किया। इससे पहले मामले में न्यायमूर्ति विक्रम डी. चौहान ने याचिकाकर्ता के वकील और राज्य सरकार के वकील की दलीलें सुनने के बाद आठ अप्रैल को आदेश सुरक्षित रख लिया था।

याचिकाकर्ता सिमरन गुप्ता ने संभल की एक अदालत के आदेश के खिलाफ यह याचिका दायर की थी। संभल की अदालत ने 2025 में राहुल गांधी की कथित विवादास्पद टिप्पणी को लेकर उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग खारिज कर दी थी। याचिकाकर्ता ने इस फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। याचिकाकर्ता के मुताबिक, राहुल गांधी ने 2025 में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के कार्यालय के उद्घाटन के दौरान कथित तौर पर कहा था, ''हम भाजपा, आरएसएस और भारत सरकार के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे हैं।''

याचिकाकर्ता का कहना था कि इस टिप्पणी से देशभर में लोगों की भावनाएं आहत हुईं क्योंकि राहुल गांधी की टिप्पणी देशद्रोह के समान है जो देश को अस्थिर करने की मंशा से जानबूझकर की गई थीं। न्यायमूर्ति विक्रम डी. चौहान ने याचिकाकर्ता के वकील और राज्य सरकार के वकील की दलीलें सुनने के बाद आठ अप्रैल को आदेश सुरक्षित रख लिया था।

## बहादुर बिटिया के साहस से लुटेरे गिरफ्तार, एसएसपी ने किया सम्मानित

**गोरखपुर।** थाना गोला क्षेत्र के अंतर्गत स्थित देवाश स्वर्ण कला केन्द्र में 27 अप्रैल को हुई लूट की कोशिश को दुकान संचालक की सूझबूझ और साहस ने विफल कर दिया। दुकान का संचालन पिता-पुत्री द्वारा किया जाता है, जहां उस दिन दो अज्ञात युवक ग्राहक बनकर पहुंचे और चांदी की अंगूठी खरीदने का बहाना करने लगे।

जैसे ही अमृता वर्मा उन्हें अंगूठी दिखाने लगीं, उसी दौरान दोनों युवकों ने मौके का फायदा उठाते हुए पास में रखा झाली का पुड़िया उठाया और भागने का प्रयास किया। अचानक हुई इस घटना के बावजूद अमृता वर्मा ने घबराने के बजाय अदम्य साहस, धैर्य और सूझबूझ का परिचय दिया। उन्होंने चोरों का डटकर सामना किया और स्थिति को

संभालने की कोशिश की, जिससे घटना और बड़ी नहीं हो सकी। घटना की सूचना मिलते ही गोरखपुर पुलिस हरकत में आई और त्वरित कार्रवाई करते हुए मात्र 36 घंटे के भीतर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की इस तेज और प्रभावी कार्रवाई की भी सराहना की जा रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गोरखपुर ने अमृता वर्मा के साहसिक कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की बहादुरी न सिर्फ समाज के लिए प्रेरणादायक है, बल्कि अपराधियों के खिलाफ एक मजबूत संदेश भी देती है।

## अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति के लिए आवंटित 16.78 लाख रुपये गबन करने के आरोप में प्राचार्य गिरफ्तार

**मैनपुरी।** जिले के बेवर क्षेत्र में स्थित एक इंटर कॉलेज के प्राचार्य को अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति के लिए जारी 16.78 लाख रुपये गबन करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है, जबकि कॉलेज प्रबंधक फरार है।

पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। जिलाधिकारी इंद्रमणि त्रिपाठी ने बताया कि अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने वर्ष 2021-22 में केपीएस इंटर कॉलेज, डोडापुर तिल्यानी को 285 पंजीकृत छात्रों की छात्रवृत्ति के लिए 16,78,500 रुपये जारी किए थे। उन्होंने बताया कि शिकायत मिलने के बाद विभाग ने वर्ष 2025 में जांच शुरू की, जिसमें सामने आया कि फर्जी छात्रों को छात्रवृत्ति का आवेदक दिखाया गया। जिलाधिकारी के अनुसार, जांच में यह भी पता चला कि कथित छात्रों के लिए दिए गए मोबाइल नंबर फर्जी थे और कॉलेज के रिकॉर्ड में दर्ज छात्र वास्तव में अन्य संस्थानों में पढ़ रहे थे। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान शिक्षकों के बयानों से स्पष्ट हुआ कि कॉलेज में छात्रवृत्ति वितरण से संबंधित कोई अभिलेख नहीं मिला।

जिला अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के एक सहायक लिपिक की तहरीर पर 20 जुलाई 2025 को बेवर थाने में प्राचार्य शशिभूषण सिंह और प्रबंधक प्रियांशु प्रताप सिंह के खिलाफ 285 अल्पसंख्यक छात्रों की छात्रवृत्ति राशि के गबन का मामला दर्ज किया गया था। प्राथमिकी के आधार पर पुलिस ने बृहस्पतिवार रात प्राचार्य को उसके आवास से गिरफ्तार कर लिया, जबकि फरार प्रबंधक की तलाश जारी है।

## रनवे पर बंदरों का झुंड देखे जाने के बाद इंडिगो की उड़ान रवाना होने से रोकी गई

**लखनऊ।** लखनऊ हवाई अड्डे से रियादपुर जाने को तैयार इंडिगो की एक उड़ान को रनवे पर बंदरों का झुंड दिखने के बाद रवाना होने से रोक दिया गया। हवाई अड्डे के सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। हवाई अड्डा सूत्रों के अनुसार, उड़ान संख्या 6ई 6521 में लगभग 150 यात्री सवार थे और यह बृहस्पतिवार सुबह करीब नौ बजे रवाना होने के लिए रनवे पर आगे बढ़ना शुरू कर चुकी थी।

सूत्रों ने कहा कि इसी दौरान पायलटों ने रनवे पर बंदरों को घूमते हुए देखा, जो लगभग रनवे के 20-30 प्रतिशत हिस्से तक आ चुके थे। सूत्रों ने बताया कि पायलटों ने तुरंत प्रस्थान रोक दिया और वायु यातायात नियंत्रक को इसकी सूचना दी, जिसके बाद विमान वापस लौट आया और लगभग

एक घंटे बाद ईंधन भरे जाने पर उड़ान फिर से रवाना हुई। सूत्रों ने कहा कि रवानगी रोकने के कारण काफी मात्रा में ईंधन खर्च हो गया था, जिसके चलते विमान में दोबारा ईंधन भरवाना पड़ा और उड़ान में देरी हुई।

उन्होंने कहा कि इसका असर अन्य कुछ उड़ानों के प्रस्थान समय पर भी पड़ा। हवाई अड्डा सूत्रों ने बताया कि इस घटना से लगभग 10 मिनट पहले एयर इंडिया एक्सप्रेस की एक उड़ान ने रनवे के पास बंदरों की मौजूदगी के बारे में अधिकारियों को सतर्क किया था। उन्होंने कहा कि यह जानकारी मिलने के बाद इंडिगो की उड़ान को रवाना करने की तैयारी की गई थी, लेकिन रनवे पर बंदरों की मौजूदगी के कारण 'टेक-ऑफ' रोकना पड़ा।

घटना के बाद हवाई अड्डे की वन्यजीव प्रबंधन टीम ने मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार कार्रवाई करते हुए रनवे से बंदरों को हटाया, जिसके बाद उड़ान संचालन सामान्य रूप से फिर से शुरू हो गया। विमानन विशेषज्ञों ने कहा कि ऐसी घटनाओं में अतिरिक्त ईंधन की खपत और देरी हो सकती है, लेकिन इस मामले में पायलटों ने समय रहते स्थिति को पहचानकर 'टेक-ऑफ' रोक दिया, जिससे किसी भी तरह के खतरे को टाला जा सका।

## अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर 167 जोड़ों का सामूहिक विवाह, 85 हजार की सहायता

**अयोध्या।** अन्तर-राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर उपश्रमायुक्त कार्यालय, खपराडीह कोठी परिसर में सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 167 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ,जिसमें 164 जोड़ों की हिंदू रीति-रिवाज तथा 3 मुस्लिम जोड़ों का मौलवी ने निकाह कराया। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर वर्चुअल माध्यम से जुड़े और श्रमिकों के हित में संचालित योजनाओं की जानकारी दी। योजना के अंतर्गत प्रत्येक नवदंपति को 85 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई,साथ ही विवाह आयोजन के लिए प्रति जोड़ा 15 हजार रुपये व्यय किया गया।

उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की ओर से निर्माण श्रमिकों के हितार्थ 'कन्या विवाह सहायता योजना' चलाई जा रही है।

कार्यक्रम में विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि प्रदेश सरकार श्रमिकों के सर्वांगीण कल्याण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह जैसे प्रयास न केवल आर्थिक रूप से कमजोर श्रमिक परिवारों को सहारा देते हैं, बल्कि उन्हें सम्मान के साथ सामाजिक मुख्यधारा में आगे बढ़ने का अवसर भी प्रदान करते हैं।

ऐसे सामूहिक विवाह कार्यक्रम समाज में व्याप्त कुरीतियों, दिखावे और अनावश्यक खर्चों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करते हैं तथा सादगीपूर्ण और संस्कारयुक्त वैवाहिक परंपरा को प्रोत्साहित करते हैं।

## सारस की बढ़ती आबादी से किसान, वन्यजीव प्रेमी व वन अधिकारी उत्साहित

**बरेली।** उत्तर प्रदेश के राज्य पक्षी सारस की बढ़ती आबादी ने किसानों, वन्यजीव प्रेमियों और वन अधिकारियों के बीच उत्साह पैदा कर दिया है, जो इसे पारिस्थितिक संतुलन के लिए एक सकारात्मक संकेत के रूप में देखते हैं। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, सारस की संख्या में वृद्धि मौजूदा संरक्षण प्रयासों की सफलता को दर्शाती है और विशेष रूप से आर्द्रभूमि और दलदली क्षेत्रों में पर्यावरणीय स्थितियों में सुधार का संकेत देती है। रुहेलखंड उत्तर-पश्चिमी उत्तर प्रदेश का एक भौगोलिक क्षेत्र है जिसमें बरेली, मुरादाबाद और बिजनौर जैसे जिले शामिल हैं।

मुख्य वन संरक्षक (रुहेलखंड क्षेत्र) पीपी सिंह के अनुसार दुनिया में उड़ने वाला सबसे लंबा पक्षी (भारतीय सारस क्रेन) सारस पारिस्थितिकीय संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा, वयस्क पक्षी लगभग 156-180 सेमी की ऊंचाई तक पहुंच सकते हैं और नर और मादा दोनों एक जैसे दिखते हैं। सिंह ने कहा कि यह पक्षी उत्तर प्रदेश के मैदानी इलाकों में पाया जाता है, जहां

व्यापक आर्द्रभूमि की उपस्थिति के कारण इटावा, मैनपुरी, औरैया, एटा, अलीगढ़ और शाहजहांपुर जैसे जिलों में बड़ी आबादी है। रुहेलखंड क्षेत्र में कुल 1,942 सारस क्रेन दर्ज किए गए हैं, जिनमें बरेली में 380, शाहजहांपुर में 1,078, बदायूं में 115, पीलीभीत में 98, मुरादाबाद में 50, बिजनौर में 174, संभल में 25, नजीबाबाद में 18 और रामपुर में चार शामिल हैं।

उन्होंने इसे बड़ी उपलब्धि बताया। अधिकारियों ने प्रजनन प्रवृत्तियों को प्रोत्साहित करने की भी सूचना दी तथा पूरे क्षेत्र में 302 चूजों को दर्ज किया गया, जिनमें शाहजहांपुर में 146 और बरेली में 71 शामिल हैं, जो स्वस्थ प्रजनन चक्र का संकेत देते हैं। प्रभागीय वन अधिकारी दीक्षा भंडारी ने कहा कि सारस क्रेन भूरे रंग का पक्षी है जिसके लाल पैर और चोंच तथा सिर और गर्दन अलग लाल रंग के होते हैं। इनहें आम तौर पर जोड़ों में या पारिवारिक समूहों में देखा जाता है और अपने मजबूत बंधन व्यवहार के लिए जाना जाता है, जिसे अक्सर ग्रामीण क्षेत्रों में प्यार और निष्ठा का प्रतीक माना जाता है।

उन्होंने कहा कि पक्षी पूरे वर्ष प्रजनन करते हैं, अगस्त और सितंबर के दौरान चरम प्रजनन होता है। वे आम तौर पर उथले आर्द्रभूमि या धान के खेतों में घोंसले बनाते हैं, जहां मादा दो अंडे देती है। माता-पिता दोनों बच्चों के पालन-पोषण और सुरक्षा की जिम्मेदारी साझा करते हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि सारस क्रेन की उपस्थिति एक स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र का संकेतक है, क्योंकि वे आर्द्रभूमि पर निर्भर हैं जो विविध जलीय पौधों और जानवरों का भी समर्थन करते हैं।

भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान के पूर्व निदेशक आर के सिंह ने कहा कि सारस के संरक्षण से आर्द्रभूमि पारिस्थितिकी तंत्र को संरक्षित करने में भी मदद मिलती है, जो प्राकृतिक जल शोधक के रूप में कार्य करता है। उन्होंने किसानों को सारस के आवासों के पास कीटनाशकों के उपयोग से बचने और उनके घोंसलों और चूजों को जानवरों से बचाने की सलाह दी। सारस, वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 की अनुसूची चार में सूचीबद्ध है। इसका शिकार करना, अण्डों को चुराना अथवा व्यापार करना दण्डनीय अपराध है। अधिकारियों के अनुसार कई क्षेत्रों में किसान अपने खेतों में सारस क्रेन की उपस्थिति को शुभ मानते हैं, जिससे समुदाय के नेतृत्व वाले संरक्षण प्रयासों को मदद मिलती है।

## दूध लेने जा रही महिला को जंगली हाथी ने उतारा मौत के घाट

बिजनौर। मंडावली थाना क्षेत्र में शुक्रवार सवेरे लगभग 7 बजे हाथी के हमले से 35 वर्षीय महिला की मौके पर मौत हो गई। वह घर से दूध लेने जा रही थी, तभी अचानक हाथी ने उस पर हमला कर दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। ग्रामीणों ने वन विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए आक्रोश जताया। सूचना पर पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अधिकारियों ने मुआवजा और आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है। यह पूरा मामला मंडावली थाना क्षेत्र के गांव रामपुर चाठा में हुआ है। यह घटना सुबह करीब जब 35 वर्षीय ब्रह्मवती, पत्नी सुरेंद्र कुमार अपने घर से दूध लेने के लिए कालू के डेरे की ओर जा रही थीं। इसी दौरान अचानक एक हाथी ने उन पर हमला कर दिया। हमले में महिला की मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि जब ब्रह्मवती काफी देर तक घर वापस नहीं लौटीं तो उनकी तलाश शुरू की गई। इसी बीच खेतों की ओर जा रहे कुछ किसानों ने सड़क किनारे एक महिला का शव पड़ा देखा। पास जाकर पहचान करने पर पता चला कि वह ब्रह्मवती हैं। इसके बाद ग्रामीणों को सूचना दी गई और मौके पर भीड़ जुट गई। घटना के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। उन्होंने वन विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ दिन पहले भी एक हाथी ने कालू नामक व्यक्ति पर हमला किया था, लेकिन विभाग ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई की जाती, तो यह हादसा टल सकता था। मौके पर पहुंचे वन दरोगा योगेश कुमार और ग्रामीणों के बीच इस दौरान नोकझोंक भी हुई। बाद में उप प्रभागीय वन अधिकारी अंशुमान मित्तल से फोन पर वार्ता के बाद ग्रामीणों ने महिला का शव उठाने दिया।

# उम्मीदें जीवंत रखने के लिए एक दूसरे का सामना करेंगे चेन्नई और मुंबई

**चेन्नई।** अब तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं करने वाली चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और मुंबई इंडियंस की टीमों के बीच इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शनिवार को यहां करो या मरो का मुकाबला होगा, जिसमें दोनों का लक्ष्य प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने की उम्मीद जीवंत रखना होगा। आईपीएल इतिहास की दो सबसे सफल टीम का अब तक का अभियान निराशाजनक रहा है और वे लय हासिल करने के लिए संघर्ष कर रही हैं।

सीएसके के लिए एमए चिदंबरम स्टेडियम की परिस्थितियां अनुकूल रही हैं लेकिन उनके प्रदर्शन में वह प्रभाव देखने को नहीं मिला है जो वर्षों से उसकी पहचान रही है। सीएसके की बल्लेबाजी में निरंतरता का अभाव रहा है। विशेषकर उसके बल्लेबाज बीच के ओवरों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उसके गेंदबाज भी दबाव वाली परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए जूझ रहे हैं। मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन भी इस सत्र में उतार-चढ़ाव वाला रहा है। शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन के बावजूद, पांच बार की चैंपियन टीम को कमजोर मध्य क्रम और गेंदबाजों ने निराश किया है। उसके गेंदबाज स्कोर का बचाव करने और महत्वपूर्ण मौकों पर विपक्षी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने में नाकाम रहे हैं। अब जबकि टूर्नामेंट अपने निर्णायक चरण में पहुंच गया है तो इन दोनों टीम के लिए अपने प्रदर्शन में सुधार करने के अलावा अब कोई और विकल्प नहीं है।

उन्हें अपनी किस्मत पलटने के लिए इस मैच से ही अच्छा प्रदर्शन करना होगा। सीएसके को उम्मीद होगी कि उसके स्पिनर चेपॉक की धीमी पिच का फायदा उठाने में सफल रहेंगे, जबकि मुंबई की टीम स्पिनरों का मुकाबला करने के लिए अपने पावर हिटर्स पर निर्भर रहेगी।

चेन्नई और मुंबई की मौजूदा फॉर्म को देखते हुए दोनों में से कोई भी टीम इस मैच में स्पष्ट रूप से जीत की हकदार नहीं है, जिससे यह मुकाबला आईपीएल की पारंपरिक रूप से सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता में वर्चस्व की लड़ाई के बजाय अस्तित्व की लड़ाई बन गया है। आठ मैचों में तीन जीत के साथ अंक तालिका में छठे स्थान पर काबिज रुतुराज गायकवाड़ की अगुवाई वाली सीएसके को लगातार खराब प्रदर्शन, खराब नेट रन रेट और महेंद्र सिंह धोनी की लंबे समय तक अनुपस्थिति के कारण प्लेऑफ में पहुंचने को लेकर अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है। धोनी सत्र से पहले अभ्यास के दौरान पिंडली में खिंचाव के कारण अब तक कोई मैच नहीं खेल पाए हैं जबकि शुरुआत में माना जा रहा था कि वह जल्द वापसी करेंगे। संजू सैमसन सीएसके के सबसे सफल बल्लेबाज रहे हैं। इसी सत्र में चेन्नई की टीम से जुड़ने वाले सैमसन ने आठ पारियों में 300 से अधिक रन बनाए हैं, जिनमें दो शतक भी शामिल हैं। वह एक बार फिर बल्लेबाजी की जिम्मेदारी संभालेंगे।

गेंदबाजी में जेमी ओवरटन और अंशुल कंबोज ने सीएसके के लिए प्रभावशाली प्रदर्शन किया है, लेकिन उन्हें अन्य गेंदबाजों से पर्याप्त सहयोग नहीं मिला है। मुंबई इंडियंस की टीम बुधवार को अपने घरेलू मैदान पर सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 243 रन का बचाव करने में नाकाम रही थी जिससे उसकी स्थिति बद से बदतर हो गई है। इस मैच में उसकी गेंदबाजी की कमजोरियां भी उजागर हो गई।

सीएसके की स्थिति मुंबई से थोड़ी बेहतर है। मुंबई नौवें स्थान पर है और उसे प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदों को जीवंत रखने के लिए अपने शेष सभी छह मैच जीतने होंगे।

## इस प्रकार हैं टीम

**चेन्नई सुपर किंग्सः** रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), एमएस धोनी (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), कार्तिक शर्मा , डेवाल्ड ब्रेविस, सरफराज खान, उर्विल पटेल , अमन खान, शिवम दुबे, जैक फॉल्क्स, रामकृष्ण घोष, अंशुल कंबोज, जेमी ओवरटन, मैथ्यू शॉर्ट, प्रशांत वीर, राहुल चाहर, श्रेयस गोपाल, गुरजापनीत सिंह, मैट हेनरी, अकील हुसैन, स्पेंसर जॉनसन, मुकेश चौधरी, नूर अहमद।

**मुंबई इंडियंसः** हार्दिक पंड्या (कप्तान), क्विंटन डीकॉक (विकेटकीपर), रयान रिकेल्टन (विकेटकीपर), रॉबिन मिंज (विकेटकीपर), दानिश मालेवार, शेरफेन रदरफोर्ड, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, राज बावा, कॉर्बिन बॉश, विल जैक, मयंक रावत, नमन धीर, शार्दुल ठाकुर, अश्विनी कुमार, जसप्रीत बुमराह, ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर, कृष भगत, एएम गजनफर, केशव महाराज, मयंक मारकंडे, मोहम्मद इजहार, रघु शर्मा।

**समयः मैच शाम 7:30 बजे से शुरू होगा।**

## दूसरे ISSF विश्व कप में भाग लेगी भारत की 12 सदस्यीय टीम

**नई दिल्ली।** कजाकिस्तान के अल्माटी में होने वाले इस साल के दूसरे आईएसएसएफ शॉटगन विश्व कप में भारत की 12 सदस्यीय निशानेबाजी टीम भाग लेगी। भारतीय टीम शनिवार को आयोजन स्थल पर पहुंचेगी। दस दिन तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में 42 देशों के 284 खिलाड़ी भाग लेंगे।

भारतीय टीम के आठ सदस्य भी आरपीओ (केवल रैंकिंग अंक के लिए) निशानेबाज के रूप में प्रतिस्पर्धा करने के लिए इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता सोमवार (चार मई) को पुरुषों और महिलाओं के स्कीट क्वालीफायर के साथ शुरू होंगी। इस स्पर्धा के फाइनल पांच मई को होंगे। ट्रैप स्पर्धा के दो फाइनल नौ मई को जबकि ट्रैप मिश्रित टीम का फाइनल अगले शनिवार यानी 10 मई को होगा।

विश्व कप का पहला चरण मार्च में मोरक्को के तांजियर में खेला गया था। दूसरे चरण की प्रतियोगिता के पहले दिन तीन भारतीय ओलंपियन हिस्सा लेंगे। इनमें पुरुष स्कीट स्पर्धा में मैराज अहमद खान और अनंतजीत सिंह नारुका तथा महिला स्कीट स्पर्धा में रायजा ढिल्लों शामिल हैं।

ये तीनों इस साल पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करते नजर आएंगे। भारत को इस प्रतियोगिता में इटली, फिनलैंड, डेनमार्क, चेक गणराज्य, साइप्रस, यूनान, पेरू और कतर जैसी मजबूत टीमों के शीर्ष निशानेबाजों से मुकाबला करना होगा।

## निशिकोरी टेनिस को कहेंगे अलविदा

**तोक्यो।** विश्व के पूर्व चौथे नंबर के खिलाड़ी और 2014 में यूएस ओपन के फाइनलिस्ट केई निशिकोरी ने गुरुवार को कहा कि वह इस टेनिस सत्र के आखिर में संन्यास लेने की योजना बना रहे हैं। जापान के 36 वर्षीय निशिकोरी दाहिने कंधे में दर्द के कारण जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में नहीं खेल पाए थे। वह पिछले कई वर्षों से चोटों से जूझ रहे हैं और पिछले साल यूएस ओपन में भी नहीं खेल पाए थे। निशिकोरी ने 2007 में अपने पेशेवर करियर की शुरुआत की तथा वह 2014 में यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचे थे। इस तरह से वह किसी ग्रैंड स्लैम पुरुष एकल टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाले पहले जापानी खिलाड़ी बने थे। फाइनल में उन्हें क्रोएशिया के मारिन सिलिच से सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा था। निशिकोरी ने 2016 में रियो ओलंपिक में राफेल नडाल को तीन सेटों में हराकर कांस्य पदक जीता था। निशिकोरी ने अपनी फिटनेस का जिक्र करते हुए एक्स पर कहा, ''मैं मुश्किल से खेल में बना हुआ हूं।

## भारत ने अंडर-18 आइस हॉकी एशिया कप में मकाऊ को 8-1 से हराया

**नई दिल्ली।** कप्तान गुरतेज सिंह भट्टी के चार गोल की मदद से भारत ने बिश्केक, किर्गिस्तान में चल रहे अंडर-18 आइस हॉकी एशिया कप में मकाऊ को 8-1 से हराया। भारत ने शुरू में गोल करके दमदार शुरुआत की और उसने तीनों पीरियड में खेल पर अपना नियंत्रण बनाए रखा। राजस्थान के अजय डांगी ने भारत के लिए पहला गोल किया जबकि भट्टी ने चार गोल करके टीम की जीत सुनिश्चित की।

भारत की तरफ से इफ्तिकार हुसैन, तंजीन ताशी और देवांश शर्मा ने भी एक-एक गोल किया। भट्टी ने मैच के बाद कहा, ''हमने स्पष्ट इरादे के साथ शुरुआत की और तीनों पीरियड में अपनी गति बनाए रखी। टीम ने अच्छे मौके बनाए और उनका भरपूर फायदा उठाया। यह शानदार जीत है, लेकिन हमारा ध्यान आगे के मैचों में निरंतरता बनाए रखने पर है।''

भारतीय आइस हॉकी संघ के महासचिव हरजिंदर सिंह ने टीम के प्रदर्शन और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टीम की प्रगति की सराहना की। उन्होंने कहा, ''मकाऊ के खिलाफ जीत इस युवा भारतीय टीम की दृढ़ता का मजबूत संकेत है। टीम ने तीनों पीरियड में शानदार खेल का प्रदर्शन करके नियंत्रण बनाए रखा। इस जीत से न केवल उनके कौशल, बल्कि बढ़ती परिपक्वता और आत्मविश्वास का भी पता चलता है। इस टूर्नामेंट में किर्गिस्तान, मंगोलिया, उज्बेकिस्तान, इंडोनेशिया, मकाऊ (चीन) और भारत की आइस हॉकी टीमें भाग ले रही हैं।

## कंधे की चोट कारण एक महीने तक नहीं खेल पाएंगे सैंटनर

**ऑकलैंड।** न्यूजीलैंड की सीमित ओवरों की टीम के कप्तान मिशेल सैंटनर आईपीएल के दौरान कंधे में लगी चोट के कारण कम से कम एक महीने तक मैदान से बाहर रहेंगे। इस 34 वर्षीय खिलाड़ी को मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बीच 23 अप्रैल को खेले गए मैच के दौरान फील्डिंग करते समय बाएं कंधे में चोट लग गई थी। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कहा कि सैंटनर न्यूजीलैंड लौट आए हैं और एक विशेषज्ञ से मिले, जिन्होंने बताया कि उन्हें कम से कम एक महीने के आराम और 'रिहैबिलिटेशन' की जरूरत है। सैंटनर ने आईपीएल मैच के दौरान जसप्रीत बुमराह की गेंद पर सीएसके के कार्तिक शर्मा का डाइव लगाकर कैच लिया, लेकिन इस दौरान उनके कंधे और सिर में चोट लग गई। इस कारण वह आयरलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट और इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। एनजेडसी ने कहा, ''दूसरे और तीसरे टेस्ट मैच के लिए उनकी उपलब्धता पर फैसला बाद में किया जाएगा। न्यूजीलैंड और आयरलैंड के बीच एकमात्र चार दिवसीय टेस्ट मैच 27 मई को बेलफास्ट में शुरू होगा। इसके बाद न्यूजीलैंड की टीम इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स (4-8 जून), द ओवल (17-21 जून) और ट्रेंट ब्रिज (25-29 जून) में तीन टेस्ट मैच खेलेगी।

## फीफा विश्व कप 2026: ईरान की भागीदारी की पुष्टि, अमेरिका में ही खेलेगा अपने मैच

**वैंकूवर।** विश्व फुटबॉल की नियामक संस्था फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने गुरुवार को स्पष्ट कर दिया है कि ईरान फुटबॉल टीम फीफा विश्व कप 2026 में हिस्सा लेगी और अपने मैच अमेरिका में ही खेलेगी। फीफा अध्यक्ष ने वैंकूवर में आयोजित वैश्विक फुटबॉल महासंघ की कांग्रेस के दौरान यह घोषणा की। इन्फेंटिनो ने अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए कहा, ''मैं शुरुआत में ही यह पुष्टि करना चाहता हूं कि ईरान निश्चित रूप से फीफा विश्व कप 2026 में भाग लेगा और अपने मैच संयुक्त राज्य अमेरिका में खेलेगा।''

फीफा विश्व कप 2026 का आयोजन कनाडा, संयुक्त राज्य अमेरिका और मेक्सिको की संयुक्त मेजबानी में 11 जून से 19 जुलाई तक होगा। इस बार टूर्नामेंट में 48 टीमें हिस्सा लेंगी, जिससे टीमों और अधिकारियों को विभिन्न देशों के बीच लगातार यात्रा करनी होगी। ऐसे में वीजा और कूटनीतिक संबंधों को लेकर चुनौतियां सामने आ सकती हैं। ईरान ने एशियाई क्वालीफायर के तीसरे चरण में ग्रुप-ए में शीर्ष स्थान हासिल कर लगातार चौथी बार विश्व कप के लिए जगह बनाई है। हालांकि, ईरान फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष मेहदी ताज ने अमेरिका और इजराइल के साथ तनावपूर्ण हालात को लेकर चिंता जताई है। ईरान को ग्रुप-जी में बेल्जियम, मिस्र और न्यूजीलैंड के साथ रखा गया है। टीम के मुकाबले अमेरिका के लॉस एंजेलिस और सिएटल में खेले जाएंगे। अगर अमेरिका और ईरान अपनी-अपनी ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहते हैं, तो दोनों टीमें 3 जुलाई को डलास में होने वाले नॉकआउट मुकाबले में आमने-सामने आ सकती हैं।

ईरान ने अमेरिका में मैच खेलने के बजाय वैकल्पिक स्थल की मांग की थी, लेकिन फीफा ने इसे खारिज कर दिया और स्पष्ट किया कि तय कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं होगा। इस बीच, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि ईरानी खिलाड़ियों को विश्व कप में भाग लेने की अनुमति होगी, लेकिन उनके साथ ऐसे व्यक्तियों को आने की अनुमति नहीं दी जाएगी, जिनका संबंध ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स से हो।

# घरेलू उड़ानों के लिए विमानन ईंधन की कीमतें स्थिर

## अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा कीमतों में उछाल के साथ वाणिज्यिक एलपीजी,पांच किलोग्राम सिलेंडर के दाम बढ़े

**नई दिल्ली।** घरेलू विमानन कंपनी के लिए विमान ईंधन की कीमतों में शुक्रवार को कोई बदलाव नहीं किया गया। इससे इन कंपनियों को राहत मिली। हालांकि अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा कीमतों में उछाल के साथ वाणिज्यिक एलपीजी और पांच किलोग्राम के सिलेंडर की कीमतों में अब तक की सबसे अधिक बढ़ोतरी की गई। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों ने अंतरराष्ट्रीय विमानन कंपनियों के लिए विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमत 76.55 डॉलर प्रति किलोलीटर (5.33 प्रतिशत) बढ़ाकर 1,511.86 डॉलर प्रति किलोलीटर कर दी है। इसके साथ ही, होटल एवं रेस्तरां में इस्तेमाल होने वाले 19-किलोग्राम के वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत 993 रुपये बढ़ाकर रिकॉर्ड 3,071.50 रुपये कर दी गई।

पांच किलोग्राम एफटीएल या बाजार मूल्य वाले एलपीजी सिलेंडर की दरें 549 रुपये से बढ़ाकर 810.50 रुपये प्रति सिलेंडर कर दी गईं। अब पांच किलोग्राम के सिलेंडर की कीमत घरेलू रसोई में इस्तेमाल होने वाले 14.2 किलोग्राम के रसोई गैस सिलेंडर (जिसे घरेलू एलपीजी कहा जाता है) की 913 रुपये की कीमत से थोड़ा ही कम रह गई है। इसके अलावा, दूरसंचार सिग्नल टावर जैसे औद्योगिक उपभोक्ताओं द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले थोक डीजल की कीमत लगभग 137 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 149 रुपये प्रति लीटर से अधिक कर दी गई। यह कीमत पेट्रोल पंप पर उपलब्ध 87.62 रुपये प्रति लीटर डीजल की तुलना में अधिक है। घरेलू विमानन कंपनियों के लिए विमान ईंधन की कीमत 1,04,927.18 रुपये प्रति किलोलीटर पर स्थिर रखी गई है। सरकारी तेल कंपनियों ने विमानन कंपनियों और उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए वैश्विक ईंधन कीमतों में वृद्धि को स्वयं वहन करने का निर्णय लिया है। अंतरराष्ट्रीय विमानन कंपनियों के लिए दरें एक अप्रैल को दोगुनी से अधिक 1,435.31 डॉलर प्रति किलोलीटर कर दी गई थी। तब भी तेल कंपनियों ने घरेलू विमानन कंपनियों के लिए एटीएफ की कीमत में 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी ही की थी। पश्चिम एशिया युद्ध से अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा कीमतों में उछाल के कारण आवश्यक बढ़ोतरी को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है। सरकारी तेल कंपनियों द्वारा एटीएफ पर लिए गए इन निर्णयों से एयर इंडिया, इंडिगो और स्पाइसजेट जैसी घरेलू विमानन कंपनियों को राहत मिलेगी, जिन्होंने निर्धारित मासिक संशोधन से पहले ही क्षेत्र के 'अत्यधिक दबाव' में होने की बात कही थी। फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस (एफआईए) ने सरकार को लिखे पत्र में कहा था कि '' एटीएफ लागत में अभूतपूर्व वृद्धि ने विमानन कंपनियों के संचालन खर्च को 30-40 प्रतिशत से बढ़ाकर 55-60 प्रतिशत कर दिया है, जिससे संचालन पूरी तरह अव्यवहारिक हो गया है।''

ये कीमतें विभिन्न राज्यों में वैट जैसे स्थानीय करों के आधार पर अलग-अलग होती हैं। इन निर्णयों की घोषणा करते हुए इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने कहा कि पेट्रोल, डीजल और घरेलू एलपीजी (14.2 किलोग्राम सिलेंडर) की खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय ईंधन कीमतों में हाल की वृद्धि से घरेलू उपभोक्ताओं को पूरी तरह सुरक्षित रखा गया है। देश में उपभोग होने वाले कुल ईंधन में 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी रखने वाले केरोसिन समेत इन ईंधनों की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। आईओसी ने बयान में कहा, '' कीमतों में संशोधन केवल चुनिंदा औद्योगिक वर्गों तक सीमित रखा गया है जो कुल खपत का अपेक्षाकृत छोटा हिस्सा हैं और जिनकी कीमतें अंतरराष्ट्रीय दरों के अनुसार नियमित मासिक समायोजन के अंतर्गत होती हैं।''

उपभोक्ता-केंद्रित दृष्टिकोण के तहत आम जनता को प्रभावित करने वाले प्रमुख ईंधनों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतें स्थिर हैं जिनकी देश में कुल पेट्रोल-डीजल खपत में करीब 90 प्रतिशत हिस्सेदारी है। 33 करोड़ घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए 14.2 किलोग्राम सिलेंडर की कीमत में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है। बयान में कहा गया, '' घरेलू विमानन कंपनियों के लिए एटीएफ (निर्धारित उड़ानों) की कीमत और राशन की दुकान पर मिलने वाले केरोसिन की कीमतों में भी कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।'' कुल मिलाकर करीब 80 प्रतिशत पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है, जिससे अधिकतर उपभोक्ताओं के लिए स्थिरता सुनिश्चित हुई है।वर्तमान में दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर है। दुनिया भर में विमानन कंपनियां पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण विमान ईंधन आपूर्ति में कमी से उत्पन्न व्यवधानों का सामना कर रही हैं। वैश्विक ऊर्जा प्रवाह का एक महत्वपूर्ण मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य संघर्ष के तीसरे महीने में प्रभावी रूप से बंद है जिससे ईंधन उपलब्धता और आपूर्ति श्रृंखला पर दबाव बढ़ गया है। भारत में विमान ईंधन की कीमतें दो दशक से अधिक पहले नियंत्रण मुक्त कर दी गई थीं और तब से ये अंतरराष्ट्रीय मानक कीमतों के अनुरूप तय होती हैं। पश्चिम एशिया संकट के कारण हालांकि वैश्विक ऊर्जा कीमतों में तेज उछाल को देखते हुए सरकार और सरकारी तेल कंपनियों ने कीमतों में वृद्धि को चरणबद्ध तरीके से लागू करने का निर्णय लिया है।

घरेलू विमानन कंपनियों के लिए विमान ईंधन की कीमतें अपरिवर्तित रखने से सार्वजनिक क्षेत्र की आईओसी, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड को निश्चित रूप से ऐसे ईंधन की बिक्री पर नुकसान उठाना पड़ेगा। उन्हें पेट्रोल, डीजल और घरेलू एलपीजी पर भी नुकसान हो रहा है। रेटिंग एजेंसी इक्रा के अनुसार, उन्हें पेट्रोल पर 14 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 18 रुपये प्रति लीटर का नुकसान हो रहा है। पेट्रोल, डीजल और विमान ईंधन पर होने वाले नुकसान को पिछली कमाई या भविष्य में अंतरराष्ट्रीय कीमतों में गिरावट के समय मिलने वाले मुनाफे से समायोजित करना होगा। घरेलू एलपीजी के लिए सरकार द्वारा नुकसान की भरपाई के लिए सब्सिडी दिए जाने की संभावना है।

## वैश्विक अनिश्चितता से उपजे राजकोषीय दबाव में भी पूंजीगत व्यय जारी रखेगी सरकारः व्यय सचिव

**नई दिल्ली।** सरकार ने पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण उपजे राजकोषीय दबाव के बावजूद आर्थिक वृद्धि की रफ्तार कायम रखने के लिए चालू वित्त वर्ष में निर्धारित 12.22 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय पर टिके रहने का फैसला किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। व्यय विभाग के सचिव वी. वुअलनाम ने कहा कि आने वाली कुछ तिमाहियां और आने वाला साल कई 'तनाव बिंदुओं' से भरे हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि मार्च के अंत में पेट्रोल एवं डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती से कर संग्रह पर असर पड़ सकता है।

वुअलनाम ने अशोका यूनिवर्सिटी के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''राजकोषीय दबाव वास्तविकता है, लेकिन पूंजीगत व्यय हमारी प्राथमिकता रहेगा और हम इसे बजट स्तर पर बनाए रखने का प्रयास करेंगे।'' उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 में राजमार्ग, रेलवे, पोत परिवहन, बंदरगाह और शहरी विकास जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सचिव ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत के पेट्रोलियम उत्पादों का शुद्ध आयातक होने के कारण देश के समक्ष 'बेहद चुनौतीपूर्ण स्थिति' है। उन्होंने कहा कि सरकार हालात से निपटने के लिए सक्रिय और लचीले ढंग से काम कर रही है, जबकि राजकोषीय सूझबूझ ने देश को मौजूदा अनिश्चितताओं में मजबूत स्थिति में रखा है। बजट में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए राजकोषीय घाटा को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.3 प्रतिशत पर सीमित रखने का लक्ष्य रखा गया है। हालांकि जीडीपी आकलन की नई श्रृंखला जारी होने के बाद अब यह 4.5 प्रतिशत माना जा रहा है।

पश्चिम एशिया में 28 फरवरी से जारी संघर्ष के बाद कच्चे तेल की कीमतें बढ़कर 126 डॉलर प्रति बैरल के चार साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई हैं, जो संघर्ष के पहले करीब 73 डॉलर थी। इस कटौती से 15 दिनों में करीब 7,000 करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान होने का अनुमान है। व्यय सचिव ने कहा कि कर संग्रह की स्थिति पर भी करीबी नजर रखी जा रही है, क्योंकि इससे राजकोषीय गुंजाइश और सीमित हो सकती है।

उन्होंने बताया कि भारत अपनी एलपीजी खपत का 60 प्रतिशत आयात करता है और इसमें से 90 प्रतिशत आपूर्ति होर्मुज जलडमरूमध्य के मार्ग से होती है। लेकिन इस समुद्री मार्ग के बंद होने से स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो गई है। सरकार ने घरेलू आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए डीजल पर 23 रुपये प्रति लीटर और विमानन ईंधन (एटीएफ) पर 33 रुपये प्रति लीटर का निर्यात शुल्क भी लगाया है।

## अप्रैल में देश का जीएसटी राजस्व संग्रह रिकॉर्ड 2.43 लाख करोड़ रुपये हुआ

नई दिल्ली। देश का सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) राजस्व संग्रह अप्रैल महीने में 8.7 फीसदी बढ़कर करीब 2.43 लाख करोड़ रुपये के सर्वकालिक रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। यह अप्रैल, 2025 के 2.23 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड से ज्यादा है।

जीएसटी महानिदेशालय ने जारी आंकड़ों में बताया कि जीएसटी राजस्व संग्रह अप्रैल में 8.7 फीसदी बढ़कर 2,42,702 करोड़ रुपये (2.43 लाख करोड़ रुपये) के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। इससे पहले अप्रैल, 2025 में सर्वाधिक जीएसटी राजस्व संग्रह 2.23 लाख करोड़ रुपये से अधिक दर्ज किया गया था। जीएसटी संग्रह में यह वृद्धि मुख्य रूप से आयात पर करों में 25.8 फीसदी की तेज उछाल और मजबूत घरेलू खपत के कारण हुई है।

आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान घरेलू लेन-देन से सकल राजस्व 4.3 फीसदी बढ़कर 1.85 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। आयात से जीएसटी संग्रह में 25.8 फीसदी की भारी वृद्धि हुई। यह बढ़कर 57,580 करोड़ रुपये हो गया। अप्रैल के दौरान 31,793 करोड़ रुपये के रिफंड दिए गए, जो 19.3 फीसदी अधिक है। रिफंड समायोजित करने के बाद अप्रैल महीने में शुद्ध जीएसटी राजस्व संग्रह 7.3 फीसदी बढ़कर लगभग 2.11 लाख करोड़ रुपये रहा है।

## भारत को लेकर बेहद उत्साहित, एप्पल को बड़ी वृद्धि की उम्मीद: टिम कुक

**न्यूयॉर्क।** एप्पल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टिम कुक ने कहा कि वह भारत को लेकर ''बेहद उत्साहित'' हैं और इसे कंपनी के लिए एक ''बेहद बड़ा अवसर'' मानते हैं। एप्पल की 2026 की दूसरी तिमाही का आय विवरण देते हुए उन्होंने कहा, '' हां, यह हमारे लिए बहुत बड़ा अवसर है। हम इस पर काफी समय से ध्यान दे रहे हैं।

भारत, दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन बाजार और तीसरा सबसे बड़ा पीसी बाजार है।'' कुक ने भारतीय बाजार को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में यह टिप्पणी की। उन्होंने स्वीकार किया कि कंपनी का भारत में प्रदर्शन अच्छा रहने के बावजूद उसकी हिस्सेदारी अभी ''सीमित'' है। कुक ने भारत के बढ़ते मध्यम वर्ग और उसकी संभावनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि

कंपनी के अधिकतर ग्राहक अभी ब्रांड के लिए नए हैं जो विकास के लिए अनुकूल माहौल बनाता है। उन्होंने कहा, '' कुल मिलाकर, मैं भारत को लेकर बेहद उत्साहित हूं।'' एप्पल का तिमाही राजस्व 17 प्रतिशत बढ़कर 111.2 अरब डॉलर हो गया। कुक ने बताया कि कंपनी ने विकसित और उभरते दोनों बाजारों में जनवरी-मार्च तिमाही के रिकॉर्ड बनाए जिनमें भारत उन क्षेत्रों में शामिल है जहां दोहरे अंकों में वृद्धि दर्ज हुई। कंपनी ने भारत में अपना छठा स्टोर खोलने पर भी खुशी जाहिर की।

फरवरी में मुंबई के बोरीवली में नया स्टोर खोला गया जो शहर में दूसरा स्टोर है। एप्पल के स्टोर नयी दिल्ली, बेंगलुरु, पुणे और नोएडा में भी हैं। कुक ने कहा, '' भारत में पिछले कुछ वर्ष में हमारी निरंतर वृद्धि देखना शानदार रहा है। यह दुनिया भर के उभरते बाजारों में अधिक ग्राहकों से जुड़ने की हमारी व्यापक रणनीति का हिस्सा है।'' उन्होंने साथ ही बताया कि आईफोन के लिए अमेरिका, लैटिन अमेरिका, ग्रेटर चीन, पश्चिमी यूरोप, भारत, जापान और दक्षिण-पूर्व एशिया सहित अधिकतर बाजारों में दोहरे अंकों की वृद्धि देखी जा रही है।

मुख्य वित्तीय अधिकारी केवन पारेख ने बताया कि 'मैक' खंड का राजस्व छह प्रतिशत बढ़कर 8.4 अरब डॉलर रहा, जिसे 'मैकबुक नियो' जैसे नए उत्पादों की मांग से बल मिला। कंपनी के मैक और आईपैड दोनों की बिक्री में भारत सहित उभरते बाजारों में मजबूत वृद्धि देखी गई। इस बीच एप्पल ने हाल ही में घोषणा की है कि टिम कुक सीईओ पद से हटकर निदेशक मंडल के कार्यकारी अध्यक्ष बनेंगे। कंपनी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (हार्डवेयर इंजीनियरिंग) जॉन टर्नस एक सितंबर 2026 से एप्पल के सीईओ पद का कार्यभार संभालेंगे।

## मारुति सुजुकी की बिक्री अप्रैल में रिकॉर्ड 2,39,646 इकाई पर

**नई दिल्ली।** देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया की अप्रैल में कुल बिक्री 33.29 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 2,39,646 इकाई रही। इस अवधि के दौरान छोटी कारों की बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। कंपनी ने बताया कि 2025 के इसी महीने में मारुति सुजुकी इंडिया ने कुल 1,79,791 इकाइयों की बिक्री की थी। अप्रैल में कंपनी की घरेलू बिक्री भी बढ़कर अब तक के उच्चतम स्तर 1,91,122 इकाई पर पहुंच गई, जो 2025 के इसी महीने में 1,42,053 इकाई थी। मारुति सुजुकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी पार्थ बनर्जी ने कहा, ''हमने इस वर्ष की शुरुआत जोरदार तरीके से की है। इस वृद्धि में छोटी कारों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।'' बनर्जी ने कहा कि कंपनी के 'मिनी' खंड ने अप्रैल में मजबूत वृद्धि रही, जिससे इस खंड के भविष्य पर उठने वाली शंकाएं दूर हो गई हैं।

# 'किंग' के सेट से सामने आईं दीपिका की तस्वीरें

## प्रेग्नेंसी में भी कर रही शूटिंग

दीपिका पादुकोण ने हाल ही में अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी का ऐलान किया था, लेकिन इसके बावजूद वह काम से पीछे नहीं हट रही हैं। सोशल मीडिया पर उनकी और शाहरुख खान की कुछ तस्वीरें और वीडियो सामने आए हैं, जो फिल्म 'किंग' के सेट से बताए जा रहे हैं। फिल्म की शूटिंग इन दिनों साउथ अफ्रीका के केप टाउन में चल रही है। वायरल तस्वीरों में दीपिका नारंगी रंग की फ्लोई ड्रेस में नजर आ रही हैं, जबकि शाहरुख धारीदार शर्ट और काली पैंट में दिखाई दे रहे हैं। दोनों एक गाने की शूटिंग करते हुए हाथ में हाथ डाले नजर आ रहे हैं। उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री एक बार फिर फैंस को आकर्षित कर रही है और तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। तस्वीरों पर फैंस लगातार अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कई लोगों ने दोनों के स्टाइल और केमिस्ट्री की तारीफ की है। काम की बात करें, तो दीपिका 'किंग' के अलावा फिल्म 'राका' में भी नजर आएंगी, जिसमें वह अल्लू अर्जुन के साथ दिखाई देंगी। बताया जा रहा है कि इस फिल्म में एक्शन दृश्यों के लिए उनके बॉडी डबल का इस्तेमाल किया गया है।

# रूमर्ड बॉयफ्रेंड राहुल मोदी को श्रद्धा कपूर ने बताया प्रतिभाशाली

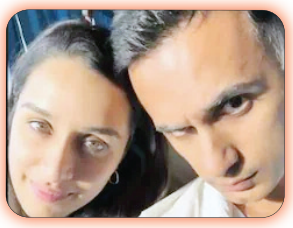

**मुंबई।** पिछले कुछ समय से फैशन डिजाइनर राहुल मोदी के साथ अपने रूमर्ड संबंधों को लेकर बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर सुर्खियों में हैं। फोटोग्राफरों द्वारा उन्हें अक्सर एक साथ विभिन्न मौकों पर कैमरे में कैद किया जाता है, जिससे उनके रिश्ते की अटकलें और तेज हो जाती हैं। हाल ही में श्रद्धा कपूर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए अपने कथित प्रेमी राहुल मोदी की जमकर प्रशंसा की, जिससे उनके रिश्ते की पुष्टि की अटकलें तेज हो गई। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल के स्टोरीज सेक्शन में राहुल मोदी द्वारा निर्देशित ए क नवीनतम विज्ञापन पर टिप्पणी की, जिसमें सैय्यारा की अभिनेत्री अनीत पड्डा भी शामिल हैं। फिल्म स्त्री की अभिनेत्री श्रद्धा ने सबसे पहले अनीत पड्डा के अभिनय की तारीफ करते हुए लिखा, बेहतरीन अभिनय का परफेक्ट मिश्रण।

इसके तुरंत बाद, श्रद्धा ने राहुल मोदी की प्रशंसा करते हुए लिखा, और क्यूटनेस से याद आया, ये लेखक-निर्देशक कितने प्रतिभाशाली हैं उफ राहुल मोदी। श्रद्धा का यह पोस्ट उनके रिश्ते को लेकर चल रही अटकलों के बीच काफी मायने रखता है, क्योंकि यह पहली बार है जब उन्होंने सार्वजनिक रूप से राहुल के काम की इस तरह तारीफ की है और उन्हें प्रतिभाशाली बताया है। श्रद्धा और राहुल के बीच रिश्ते की अटकलें 2024 की शुरुआत में तब शुरू हुईं, जब कथित तौर पर दोनों को मुंबई में एक डिनर डेट से एक साथ निकलते हुए देखा गया था।

## फिल्म निर्माता आशुतोष गोवारिकर को 57वें इफ्फी के लिए महोत्सव निदेशक नियुक्त किया गया

**नई दिल्ली।** फिल्म निर्माता आशुतोष गोवारिकर को भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ्फी) के 57वें संस्करण के लिए महोत्सव निदेशक नियुक्त किया गया है। गोवारिकर को 'लगान', 'स्वदेस' और 'जोधा अकबर' जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। गोवारिकर फिल्म निर्माता शेखर कपूर का स्थान लेंगे। यह महोत्सव प्रत्येक वर्ष गोवा में आयोजित किया जाता है। इसके 55वें और 56वें संस्करण की अध्यक्षता कपूर ने की थी। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि गोवारिकर एक प्रख्यात फिल्म निर्माता हैं और उन्होंने भारतीय सिनेमा में विशिष्ट योगदान दिया है। मंत्रालय ने कहा, इफ्फी के साथ उनका जुड़ाव कई दशकों से है, जो सिनेमाई कला के विकास और अंतरराष्ट्रीय फिल्म संस्कृति के साथ उनके गहरे जुड़ाव को दर्शाता है। गोवारिकर ने कहा, मैं इस महोत्सव के विकास का साक्षी बनकर खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। वर्ष 1984 में इसमें शामिल होने से लेकर वर्षों मैं इससे जुड़ा रहा। वर्ष 2024 में मैंने अंतरराष्ट्रीय सिनेमा के लिए जूरी अध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएं दीं। फिल्म निर्देशक गोवारिकर (62) ने कहा कि महोत्सव की विरासत को आगे बढ़ाना सम्मान और जिम्मेदारी दोनों है। उन्होंने कहा, वर्ष 1952 से लेकर अब तक अनगिनत महोत्सव टीमों द्वारा दशकों से स्थापित, पोषित और विस्तारित की गई विरासत को आगे बढ़ाना सम्मान की बात है। इसके साथ जिम्मेदारी का एक नया आभास भी जुड़ा है। मैं सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और गोवा सरकार के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं। इस फिल्म महोत्सव की शुरूआत 1952 में हुई थी।

## मेरी गर्लफ्रेंड फोन करती है, तो मैं फोन स्पीकर पर डाल देता हूं: जैकी

**मुंबई।** हाल ही में एक बातचीत के दौरान फिल्म निर्माता और अभिनेता जैकी भगनानी ने अपनी शादीशुदा जिंदगी को सिचुएशनशिप कहकर संबोधित कर दिया, जिसके बाद इंटरनेट पर हलचल मच गई और लोग उन्हें इस शब्द के गलत इस्तेमाल पर ट्रोल करने लगे। मामला बढ़ता देख अब उनकी पत्नी रकुलप्रीत सिंह और जैकी दोनों ने इस पूरे विवाद पर एक मजाकिया अंदाज में प्रतिक्रिया दी है, जिससे स्थिति स्पष्ट हो गई है। हाल ही में एक इंटरव्यू में जैकी भगनानी ने अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए कहा था, रकुल और मैं शादीशुदा जरूर हैं, लेकिन हमारा रिश्ता एक तरह का सिचुएशनशिप है। भगवान ने हमें एक-दूसरे के लिए बनाया है, इसलिए शादी हुई है। मैं रकुल से हर बात खुलकर कह सकता हूं। अगर रकुल के सामने मेरी कोई एक्स गर्लफ्रेंड फोन करती है, तो मैं फोन स्पीकर पर डाल देता हूं। उनके इस बयान का, खासकर सिचुएशनशिप शब्द के इस्तेमाल का, लोगों ने गलत अर्थ निकाल लिया।

# समझौता करने के लिए बेताब है ईरान: ट्रंप

**वॉशिंगटन।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान युद्ध को समाप्त करने के लिए ''समझौता करने को बेताब'' है और उन्होंने हवाई हमलों को फिर से शुरू करने की संभावना को लगभग खारिज कर दिया। ट्रंप ने बृहस्पतिवार दोपहर 'ओवल ऑफिस' (अमेरिका के राष्ट्रपति का कार्यालय) में मीडिया से बातचीत के दौरान ये टिप्पणियां की। ट्रंप ने ये टिप्पणियां ऐसे समय में कीं जब ईरान ने धमकी दी है कि यदि अमेरिका ने फिर हमले किए तो वह भी हमले कर जवाबी कार्रवाई करेगा।अमेरिका और ईरान ने आठ अप्रैल को युद्धविराम पर सहमति जताई थी तब से युद्ध अस्थायी रूप से रुका हुआ है। जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह पुनः हमले करेंगे तो उन्होंने कहा, ₹मुझे नहीं लगता कि हमें इसकी जरूरत है।₹ अमेरिका के राष्ट्रपति ने दावा किया कि सैन्य कार्रवाई ने ईरान की क्षमताओं को काफी हद तक कमजोर कर दिया है। उन्होंने कहा, ''उनकी नौसेना खत्म हो गई है। उनकी वायुसेना खत्म हो गई है३ उनके करीब 82 प्रतिशत ड्रोन कारखाने ठप हो गए हैं। उनके मिसाइल उत्पादन पर भी असर पड़ा है। उनके मिसाइल कारखाने लगभग 90 प्रतिशत तक ठप हो गए हैं।'' ट्रंप ने कहा कि ₹हमने उनकी परमाणु क्षमता को पूरी तरह नष्ट कर दिया है₹ और होर्मुज जलडमरूमध्य की ''अमेरिकी नाकाबंदी के परिणामस्वरूप ईरानी अर्थव्यवस्था चरमरा'' रही है। उन्होंने कहा, ''उन्हें तेल से कोई मुनाफा नहीं मिल रहा है।'' ट्रंप ने कहा, ''ईरान समझौता करने के लिए बेताब है।'' उन्होंने कहा कि युद्धरत पक्षों के बीच बातचीत की स्थिति की जानकारी केवल कुछ ही लोगों को है। उन्होंने कहा, ''मेरे और कुछ अन्य लोगों के अलावा किसी को नहीं पता कि बातचीत की क्या स्थिति है।'' अमेरिका के राष्ट्रपति ने एक बार फिर दोहराया कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान युद्ध सहित आठ युद्धों को रोका है।

### ईरान के खिलाफ युद्ध 60 दिन की समय सीमा से पहले ही 'समाप्त' हो गया : ट्रंप प्रशासन

**वाशिंगटन।** ट्रंप प्रशासन कांग्रेस (अमेरिकी संसद) से युद्ध की मंजूरी लेने की आवश्यकता से बचने के लिए तर्क दे रहा है कि अप्रैल में शुरू हुए युद्धविराम समझौते के बाद ईरान में युद्ध समाप्त हो गया है। यह बयान रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ द्वारा बृहस्पतिवार को सीनेट के समक्ष दिए गए बयान की पुष्टि करता है, जिसमें उन्होंने कहा था कि युद्धविराम ने प्रभावी रूप से युद्ध को रोक दिया है। इस आधार पर ट्रंप प्रशासन 1973 के कानून द्वारा अनिवार्य उस शर्त को पूरा नहीं कर रहा है जिसके तहत 60 दिनों से अधिक की सैन्य कार्रवाई के लिए संसद से औपचारिक स्वीकृति आवश्यक है। नाम नहीं प्रकाशित करने की शर्त पर एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि उस कानून के हिसाब से, ''28 फरवरी शनिवार को शुरू हुआ युद्ध समाप्त हो गया है।'' अधिकारी ने कहा कि सात अप्रैल से शुरू हुए दो सप्ताह के युद्धविराम के बाद से अमेरिकी सेना और ईरान के बीच गोलीबारी नहीं हुई है। हालांकि युद्धविराम के समय को बढ़ा दिया गया है और ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण बनाए रखा है वहीं ईरान के तेल टैंकर को समुद्र में जाने से रोकने के लिए अमेरिका की नाकाबंदी जारी है। राष्ट्रपति की सैन्य शक्तियों को नियंत्रित करने वाले कानून 'वॉर पावर्स रिजोल्यूशन' के तहत, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास शुक्रवार तक संसद से अनुमति लेने या युद्ध रोकने का समय था। यह कानून प्रशासन को इस समय सीमा को 30 दिन तक बढ़ाने की अनुमति भी देता है।

# पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अफगानिस्तान सीमा के पास 13 आतंकवादी ढेर

**पेशावर।** पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अफगानिस्तान सीमा के पास कम से कम 13 आतंकवादियों को मार गिराया। सेना के मीडिया प्रकोष्ठ ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। ''इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस'' (आईएसपीआर) ने बताया कि फितना-अल-ख्वारिज से जुड़े आतंकवादी 28 और 29 अप्रैल को मोहम्मंद और उत्तरी वजीरिस्तान जिलों में मारे गए। सरकार फ़ितना अल-ख्वारिज शब्द का इस्तेमाल प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के लिए करती है। मोहम्मंद जिले में सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा के रास्ते घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे ख्वारिजों के एक समूह की गतिविधियों का पता लगाया। बयान में कहा गया है कि सैनिकों ने समूह के साथ मुठभेड़ की और आठ ख्वारिज मारे गए। सैनिकों ने एक अन्य मुठभेड़ में उत्तरी वज़ीरिस्तान जिले में पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा के पास ख्वारिजों के एक समूह द्वारा घुसपैठ के एक और प्रयास को प्रभावी ढंग से विफल कर दिया और भीषण गोलीबारी के बाद पांच आतंकवादियों को मार गिराया गया। क्षेत्र में मौजूद किसी भी अन्य आतंकवादी को खत्म करने के लिए अभियान चलाया जा रहा था। इस्लामाबाद स्थित 'पाक इंस्टीट्यूट फॉर पीस स्ट्डीज' द्वारा जारी एक रिपोर्ट बताया गया कि रिकॉर्ड संख्या में आतंकवादियों के मारे जाने के बावजूद पाकिस्तान में 2025 में आतंकवादी हिंसा में तेजी से वृद्धि देखी गई। यहां आतंकवादी हमलों में 34 प्रतिशत और आतंकवाद से संबंधित मौतों में साल दर साल 21 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। 'सेंटर फॉर रिसर्च एंड सिक्योरिटी स्ट्डीज' (सीआरएसएस) की वार्षिक सुरक्षा रिपोर्ट 2025 के अनुसार, पिछले वर्ष प्रांत में हिंसा में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। यहां 2024 में '' मौतों की संख्या 1,620 थी जो 2025 में बढ़कर 2,331 हो गई।''

# काठमांडू में अतिक्रमण हटाओ अभियान, बागमती कॉरिडोर के किनारे बस्तियों पर चला बुलडोजर

**काठमांडू।** नेपाल सरकार ने काठमांडू में चलाए जा रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान के दूसरे चरण के तहत आज टेकु और बंशीघाट क्षेत्र में बागमती कॉरिडोर के किनारे बसे सुकुम्बासी बस्तियों को हटाना शुरू कर दिया है। शुक्रवार सुबह से ही क्षेत्र में लगातार बुलडोजर चलाए जा रहे हैं और सार्वजनिक भूमि पर बनाए गए ढांचों को ध्वस्त किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि इस अभियान का उद्देश्य बाढ़ के जोखिम को कम करना और शहरी व्यवस्था को पुनर्स्थापित करना है। यह कदम नदी किनारों पर बनी बस्तियों को हटाने और सार्वजनिक जमीन को पुनः कब्जामुक्त कराने के सरकार के व्यापक अभियान का हिस्सा है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक और सरकारी भूमि पर हुए अतिक्रमण को हटाने की प्रक्रिया वास्तविक सुकुम्बासियों की पहचान और उनके सुरक्षित व्यवस्थापन के बाद ही आगे बढ़ाई जाएगी। सरकार ने कहा है कि वह इस नीति पर दृढ़ है और भूमिहीन सुकुम्बासियों से घबराने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि उनकी समस्याओं और चिंताओं को ध्यान में रखा जा रहा है। आगामी मानसून को देखते हुए सरकार ने 25 अप्रैल से काठमांडू घाटी में बागमती नदी और उसकी सहायक नदियों के किनारे स्थित बाढ़ और डूबान के उच्च जोखिम वाले बस्तियों को लक्षित करते हुए विशेष अभियान शुरू किया है। जनधन की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए प्रशासन ने थापाथली, शांतिनगर, गैरीगाउँ तथा कागेश्वरी मनोहरा नगरपालिका के गोठाटार बुद्धचोक और मनोहरा क्षेत्रों में जोखिमग्रस्त बस्तियों को पहले ही खाली करा दिया है।

## ब्रिटनी स्पीयर्स पर नशे में गाड़ी चलाने का आरोप

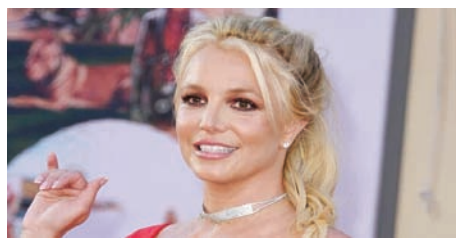

**लॉस एंजिलिस।** अमेरिकी गायिका ब्रिटनी स्पीयर्स पर कैलिफोर्निया में मादक पदार्थ और शराब के नशे में गाड़ी चलाने का आरोप लगाया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। वेंचुरा काउंटी डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी कार्यालय ने बताया कि 44 वर्षीय 'पॉप' गायिका पर शराब पीकर और मादक पदार्थ के नशे में गाड़ी चलाने का बृहस्पतिवार को आरोप लगाया गया। इस मामले में स्पीयर्स के प्रतिनिधि ने तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। आपराधिक शिकायत में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि स्पीयर्स पर किस प्रकार की शराब या मादक पदार्थों का कितनी मात्रा में सेवन करने का आरोप है। 'कैलिफोर्निया हाईवे पेट्रोल' (सीएचपी) के अनुसार, स्पीयर्स को चार मार्च को उस समय गिरफ्तार किया गया था जब वह अपने घर के पास यूएस 101 पर अपनी काली बीएमडब्ल्यू तेज और अनियंत्रित तरीके से चला रही थी। सीएचपी ने बताया कि वह नशे में लग रही थीं और बाद में जांच के बाद उन्हें शराब और मादक पदार्थों के संयुक्त प्रभाव में वाहन चलाने के संदेह में गिरफ्तार किया गया और वेंचुरा काउंटी की जेल ले जाया गया।

# बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर नेपाल के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने एकता और शांति पर जोर दिया

**काठमांडू।** नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने शुक्रवार को बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर कहा कि गौतम बुद्ध के सहिष्णुता और पारस्परिक सद्भावना के मार्गदर्शक सिद्धांतों का पालन करके राष्ट्रीय एकता को मजबूत किया जा सकता है। नेपाल गौतम बुद्ध की 2570वीं जयंती मना रहा है। माना जाता है कि गौतम बुद्ध का जन्म छठी शताब्दी ईसा पूर्व के आसपास नेपाल के लुंबिनी में हुआ था। अहिंसा और शांति के दूत माने जाने वाले गौतम बुद्ध की जयंती पूरे देश में शांति की आशा के साथ मनाई जा रही है। इस अवसर पर बौद्ध भिक्षुओं और लामाओं ने पारंपरिक अनुष्ठान किए। वहीं, लुंबिनी, 'स्वयंभूनाथ' और 'बौद्धनाथ' जैसे महत्वपूर्ण तीर्थ स्थलों तथा विभिन्न चैत्य, मठ और विहार में धार्मिक समारोह आयोजित किए गए। राष्ट्रपति पौडेल ने कहा कि धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक विविधताओं के बीच सहिष्णुता और पारस्परिक सद्भावना बनाए रखकर तथा अहिंसा एवं शांति के प्रवर्तक भगवान बुद्ध के संदेशों और मार्गदर्शक सिद्धांतों का पालन करके राष्ट्रीय एकता को और अधिक मजबूत किया जा सकता है। प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने बुद्ध पूर्णिमा के मौके पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बुद्ध की जन्मस्थली होना नेपाल के लिए सौभाग्य की बात है और देश हमेशा से शांति और अहिंसा का समर्थक रहा है। उन्होंने कहा, ''बुद्ध का दिखाया रास्ता ज्ञान की खोज के माध्यम से दुखों को समाप्त करने का मार्ग है। जैसे प्रकाश की एक किरण के प्रवेश करते ही अंधेरा खुद-ब-खुद दूर हो जाता है; उसी तरह हमारी यात्रा ज्ञान के प्रकाश की खोज में होनी चाहिए, समस्याओं को हल करने के मार्ग पर होनी चाहिए।'' नेपाल स्थित भारतीय दूतावास ने लुंबिनी विकास ट्रस्ट और लुंबिनी बौद्ध विश्वविद्यालय के सहयोग से बृहस्पतिवार को लुंबिनी में बुद्ध जयंती मनाई। इस अवसर पर छात्रों की एक चित्रकला प्रदर्शनी, बौद्ध भिक्षुओं की प्रार्थना सभा और एक जीवंत सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया।